साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 14 • कठुआ, शनिवार 30 अगस्त 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

चीन के साथ संबंध सुधारने के लिए भारत तैयार : प्रधानमंत्री मोदी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवे. दनशीलता के आधार पर रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। दो दिवसीय जापान यात्रा पर आए प्रधानमंत्री मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के तियानजिन शहर जाएँगे। उनकी यह चीन यात्रा विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के कुछ दिनों बाद हो रही है।

जापान न्यूज़ के साथ एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थिर, पूर्वानुमानित और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

चीन के साथ संबंधों में सुधार के महत्व के बारे में पूछे जाने पर, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ष्राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर, मैं एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां से तियानजिन जा रहा हूँ। पिछले वर्ष कज़ान में राष्ट्रपति शी के साथ मेरी मुलाकात के बाद से, हमारे द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर और सकारात्मक प्रगति हुई है। दो पड़ोसी और पृथ्वी के दो सबसे बड़े राष्ट्रों के रूप में, भारत और चीन के बीच स्थिर, पूर्वानुमानित और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। यह बहुध्रुवीय एशिया और बहुध्रुवीय विश्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व अर्थव्यवस्था में वर्तमान अस्थिरता को देखते हुए, दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन के लिए विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने

■ शेष पेज 2...

भाजपा देश को घुसपैठियों से मुक्त करने का अपना वादा निभाएगी : अमित शाह

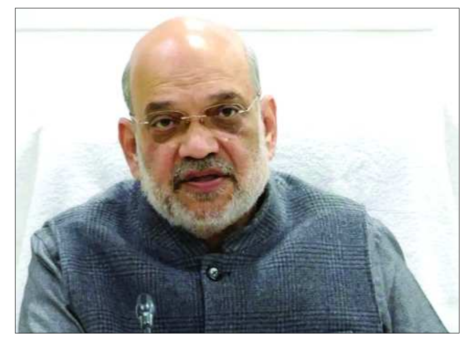

सबका जम्मू कश्मीर

गुवाहाटी : गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा देश को घुसपैठियों से मुक्त करने का अपना वादा निभाएगी।

असम के पहले गैर–कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा की जन्म शताब्दी पर गुवाहाटी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित उच्च स्तरीय जनसांख्यिकी मिशन देश के जनसांख्यिकीय स्वरूप का अध्ययन करने और घुसपैठियों की पहचान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उन्होंने कहा, ष्हमने असम से वादा किया था, लेकिन हम 10 वर्षों में इसे पूरा नहीं कर पाए। लेकिन हम अपना वादा निभाएंगे और असम तथा पूरे देश को अवैध विदेशियों से मुक्त बनाएंगे।ष

उन्होंने कहा, ष्मैं उन लोगों में से हूं जो मानते हैं कि हमारे देश में एक भी घुसपैठिया नहीं रहना चाहिए। शाह ने बताया कि मार्च 1978 से सितंबर 1979 तक राज्य में जनता पार्टी की सरकार

■ शेष पेज 2...

जम्मू के बाढ़ग्रस्त इलाकों से 5000 से अधिक लोगों को निकाला गया, आवश्यक सेवाएं बहाल करने के प्रयास जारी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू: जम्मू क्षेत्र में विभिन्न उफनती नदियों और जलमग्न निचले इलाकों से 5,000 से ज़्यादा लोगों को निकाला गया है। बचाव एजेंसियां घ्और प्रशासन बाढ़ प्रभावित जम्मू और सांबा ज़िलों में फंसे लोगों तक पहुँचने में जुटे हैं।

भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से प्रभावित जम्मू संभाग के ज़्यादातर हिस्सों में बारिश जारी है, हालाँकि इसकी तीव्रता कम है। बुरी तरह प्रभावित हुई पानी की आपूर्ति, बिजली और इंटरनेट सेवाओं को बहाल करने के प्रयास जारी हैं, लेकिन स्कूल–कॉलेजों को बंद करने का आद. ेश दिया गया है।

जम्मू में पिछले 24 घंटों में 380 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 1910 में वेधशाला की स्थापना के बाद से, 24 घंटे की अवधि में जम्मू में दर्ज की

■ शेष पेज 2...

वैष्णो देवी मार्ग पर हाल ही में हुए भूस्खलन की जांच के लिए एलजी ने 3 सदस्यीय पैनल गठित किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों के ऊपर वैष्णो देवी मंदिर की ओर जाने वाले तीर्थ मार्ग पर हाल ही में हुए भूस्खलन के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय समिति का गठन किया।

जांच का आदेश श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) के खिलाफ कटरा में हुए विरोध प्रदर्शनों के एक दिन बाद दिया गया है। कटरा तीर्थस्थल पर आने वाले तीर्थयात्रियों का आधार शिविर है। इसमें तीर्थस्थल के अत्यधिक व्यावसायीकरण का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद तीर्थयात्रियों को यात्रा की अनुमति देने पर सवाल उठाया था।

एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति दो सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सिन्हा को सौंपेगी, जो श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। उपराज्यपाल सचिवालय में विशेष

■ शेष पेज 2...

भारत को अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जल्द शुरू होने की उम्मीद; समझौते के लिए टैरिफ पर विचार जरूरी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : भारत को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू होने की उम्मीद है, और वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क से संबंधित मुद्दे का समाधान इस समझौते को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण होगा, एक सरकारी अधिकारी ने गुरुवार को यह बात कही।

हालांकि, अधिकारी ने कहा कि समझौते के लिए अगले दौर की वार्ता की नई तारीखें अभी तक अंतिम रूप नहीं दी गई हैं।

ष्इस (50 प्रतिशत) अतिरिक्त टैरिफ के कारण हमने नई तारीखें तय नहीं की हैं। (इन उच्च टैरिफ के कारण) पूरे बीटीए पर आधिकारिक स्तर पर चर्चा करना व्यावहारिक नहीं था।ष

अधिकारी ने कहा, ष्सौदा करने के लिए दोनों (25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ और रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत जुर्माना) का समाधान किया जाना आवश्यक है। वार्ता अच्छी तरह आगे बढ़ रही थी लेकिन इस गड़बड़ी के कारण छठे दौर की

■ शेष पेज 2...

कश्मीरी पंडितों ने घाटी में गणेश चतुर्थी उत्सव शुरू किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : घाटी में कश्मीरी पंडितों ने गणेश चतुर्थी का उत्सव धूमधाम और भक्ति के साथ मनाना शुरू कर दिया है।

यह त्यौहार, जिसे पारंपरिक रूप से विनायक चौरम के नाम से जाना जाता है, घरों में और भव्य पंडालों में गणेश की मूर्तियाँ स्थापित करके मनाया जाता है। इस वर्ष का उत्सव बुधवार

को शुरू हुआ, जिसमें सिद्धिविनायक

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

चीन के साथ...

के लिए मिलकर काम करना भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, ष्भारत आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवे. दनशीलता के आधार पर रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने और हमारी विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करने के लिए रणनीतिक संचार को बढ़ाने के लिए तैयार है।ष्पीएम मोदी शनिवार शाम को तियानजिन पहुंचेंगे, वह रविवार सुबह शी के साथ औपचारिक बैठक के साथ चीन में अपने आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत करेंगे। बैठक 40 मिनट तक चलने की उम्मीद है। मुख्य एससीओ बैठक सोमवार को है।एससीओ शिखर सम्मेलन पीएम मोदी की सात वर्षों में पहली चीन यात्रा होगी क्योंकि दोनों देश 2020 में घातक सीमा संघर्षों के बाद तनाव कम करने के प्रयास जारी रखे हुए हैं। पीएम मोदी ने आखिरी बार रूस के कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान शी और पुतिन के साथ मंच साझा किया था, जबकि पश्चिमी नेताओं ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूसी राष्ट्रपति से खुद को दूर कर लिया था।

भाजपा देश को...

का नेतृत्व करने वाले बोरबोरा ने मंगलदाई लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव की आवश्यकता पड़ने पर मतदाता सूची को शुद्ध करने का अभियान चलाया था।

उन्होंने कहा, ष्कम्प्यूटरीकृत मतदाता सूची के अभाव में भी बोरबोरा सरकार ने 36,780 अवैध विदेशियों के नामों का पता लगाया और मतदाता सूची के इस सफ़ाई को असम आंदोलन का मूल माना जा सकता है।ष

उन्होंने कहा, ष्चुनाव आयोग अब एसआईआर के ज़रिए मतदाता सूची को साफ़ कर रहा है, लेकिन कुछ दल इसका विरोध कर रहे हैं। यह आज की राजनीति में नैतिक पतन को दर्शाता है।ष

शाह ने दावा किया कि यदि बोरबोरा जीवित होते तो वे एसआईआर अभ्यास का विरोध करने वाली इन पार्टियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते।

उन्होंने घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई, विशेषकर अतिक्रमण हटाने के लिए राज्य सरकार की सराहना की।

उन्होंने कट्टर समाजवादी नेता बोरबोरा को सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी सरकार की सराहना की, जिनका भाजपा से कोई संबंध नहीं था।

शाह ने कहा कि सभी के योगदान को मान्यता देना मोदी सरकार की विशेषता है।

उन्होंने कहा, ष्सरदार पटेल के योगदान को तब तक भुला दिया गया जब तक प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में उनकी प्रतिमा नहीं बनवाई। कर्तव्य पथ पर उनकी प्रतिमा स्थापित होने से पहले दिल्ली में नेताजी का कोई स्मारक नहीं था।ष

उन्होंने कहा कि हालांकि बोरबोरा का कार्यकाल छोटा था, लेकिन उन्होंने राज्य के पहले गैर–कांग्रेसी मुख्यमंत्री के रूप में अमिट छाप छोड़ी।

उन्होंने कहा, ष्कक्षा 10 तक मुफ्त शिक्षा, 10 बीघा तक की जमीन के लिए लगान माफी, गुवाहाटी में पासपोर्ट कार्यालय खोलना और राज्य में बैंकिंग और रेलवे भर्ती बोर्ड की स्थापना उनकी सरकार के उल्लेखनीय निर्णयों में से हैं।ष

भारत को अमेरिका ...

वार्ता स्थगित हो गई।

अधिकारी ने कहा, ष्हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही बातचीत की मेज पर वापस आ जाएंगे।ष उन्होंने आगे कहा कि जब भी समझौता होगा, टैरिफ के मुद्दों को सुलझाया जाना जरूरी है।

दोनों देशों ने मार्च में बीटीए के लिए बातचीत शुरू की थी। अब तक पाँच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है। समझौते पर अगले दौर की बातचीत के लिए 25 अगस्त से भारत आने वाली अमेरिकी टीम ने बैठक स्थगित कर दी है।

कश्मीरी पंडितों ने ...

गणपतियार मंदिर, इंदिरा नगर में ऑल पीएम पैकेज एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन, शिव मंदिर और अनंतनाग में वेस्सु केपी कॉलोनी में भव्य धार्मिक समारोह आयोजित किए गए।

पिछले वर्ष की तरह इस शुभ अवसर को मनाने के लिए हवन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया।

ये कार्यक्रम पुणे स्थित श्री बाऊसाहेब रंगारी ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके अध्यक्ष पुनीत बालन हैं, जिन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमाएं उपलब्ध कराई हैं कि ये समारोह पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार हों।

धार्मिक समारोहों के अतिरिक्त, समुदाय को भक्ति और संस्कृति के उत्सव में एक साथ लाने के लिए पांच दिनों की सांस्कृतिक और भजन संध्या की योजना बनाई गई है।

उत्सव का समापन गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए एक जुलूस के साथ होगा, जिसे गणपतियार मंदिर, शिव मंदिर और वेस्सु केपी कॉलोनी से वितस्ता झेलम नदी के तट तक ले जाया जाएगा।

31 अगस्त और 2 सितम्बर को आयोजित होने वाला यह पारंपरिक जुलूस इस समारोह का मुख्य आकर्षण है।

इस त्यौहार की एक अनूठी विशेषता, जिसे श्पन्ना पूजाश के नाम से जाना जाता है, भगवान गणेश को भोग के रूप में मीठी रोटी तैयार करना है। यह पवित्र रोटी बाद में परिवार के सदस्यों और दोस्तों के बीच बाँटी जाती है, जो एकता और सांप्रदायिक बंधन का प्रतीक है।

उग्रवाद के वर्षों के दौरान चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, कश्मीर में स्थानीय मुस्लिम समुदाय इन समारोहों को देखता और उनमें भाग लेता रहा है, जो धार्मिक सीमाओं से परे सांप्रदायिक सद्भाव की स्थायी भावना को दर्शाता है।

स्थानीय मुस्लिम बहुल आबादी की भागीदारी घाटी में भाईचारे और आपसी सम्मान के गहरे बंधन को उजागर करती है।

वैष्णो देवी माग...

सचिव कृष्ण लाल ने सिन्हा के निर्देश पर जारी आदेश में कहा कि जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और पुलिस महानिरीक्षक बीएस टूटी समिति के दो अन्य सदस्य हैं।

मंगलवार को कटरा से मंदिर तक के 12 किलोमीटर लंबे घुमावदार मार्ग पर स्थित अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के निकट भूस्खलन हुआ, जिसमें 34 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गए।

मंदिर तक जाने के दो रास्ते हैं। मंगलवार सुबह से ही हिमकोटि ट्रेक मार्ग पर यात्रा स्थगित कर दी गई थी, लेकिन दोपहर तक यह पुराने मार्ग से जारी रही, जब अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर, त्रासदी से कुछ घंटे पहले, इसे स्थगित करने का फैसला किया।

आदेश में कहा गया है, ष्26–08–2025 को रियासी जिले में श्री माता वैष्णो देवी जी ट्रैक पर अधकुंवारी के पास हुई दुखद भूस्खलन की घटना के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय समिति गठित की जाती है।ष

समिति घटना के पीछे के कारणों की विस्तार से जांच करेगी और किसी भी चूक को इंगित करेगी, बचाव और राहत उपायों के रूप में प्रतिक्रियाओं का आकलन करेगी, और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उपयुक्त एसओपी और उपाय सुझाएगी।

आदेश में कहा गया है, ‘‘समिति दो सप्ताह के भीतर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।’’

मृतक तीर्थयात्रियों के प्रति सम्मान और एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए गुरुवार को कटरा में आंशिक हड़ताल रखी गई, तथा सैकड़ों लोगों ने इस दुखद घटना के लिए श्राइन बोर्ड की आलोचना करने के लिए मार्च निकाला।

जम्मू–कश्मीर के पूर्व मंत्री जुगल किशोर शर्मा ने कहा, ष्यह त्रासदी श्राइन बोर्ड की अक्षमता को दर्शाती है, जिसने मौसम की चेतावनी के बावजूद यात्रा की अनुमति दी।ष उन्होंने आरोप लगाया कि इस मार्ग का विकास अत्यधिक अनियोजित तरीके से किया गया था।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के महासचिव कर्ण सिंह, जो कटरा में विरोध मार्च का हिस्सा थे, ने श्राइन बोर्ड पर तीर्थयात्रा का अत्यधिक व्यवसायीकरण करने का आरोप लगाया और उससे अनुरोध किया कि वह ष्पवित्र तीर्थस्थल की पवित्रताष के साथ खिलवाड़ न करे।

27 अगस्त को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पूछा कि जब आपदा की चेतावनी दी गई थी तो उपराज्यपाल के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों को ट्रैक पर जाने से क्यों नहीं रोका।

अब्दुल्ला ने कहा, ष्जब हमें मौसम के बारे में पता था, तो क्या हमें जान बचाने के लिए कुछ कदम नहीं उठाने चाहिए थे? मौसम की चेता. वनी हमें कुछ दिन पहले ही मिल गई थी।ष

अधिकारियों से सवाल करते हुए उन्होंने कहा, ष्ये लोग ट्रैक पर क्यों थे? उन्हें क्यों नहीं रोका गया? उन्हें सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं ले जाया गया? इस पर बाद में चर्चा की जाएगी। हमें कीमती जानों के नुकसान पर दुख है।ष

गुरुवार देर रात जारी बयान में श्राइन बोर्ड ने मौसम संबंधी चेता. वनी की अनदेखी कर और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा की कीमत पर यात्रा को अनुमति देने के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि 26 अगस्त को बादल फटने और भूस्खलन से पहले दोपहर में तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी।

हालाँकि, बोर्ड ने आपदा से हुई मौतों की संख्या के बारे में विवरण साझा नहीं किया।

27 अगस्त को कटरा का दौरा करने के बाद सिन्हा ने कहा था, ष्यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। कल दोपहर के आसपास, जब यात्रा पहले ही स्थगित हो चुकी थी, बादल फटने की घटना घटी। बादल फटने के कारण कई लोग पानी में बह गए। कई कीमती जानें चली गईं और कई अन्य घायल हो गए।ष

जम्मू के बाढ़ग्रस्त ...

गई अब तक की सबसे ज़्यादा बारिश है।

”5,000 से अधिक लोगों को निचले इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ संभागीय आयुक्त कार्यालय के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं,“ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक्स पर कहा।

उन्होंने कहा, ”हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि राहत सामग्री की पर्याप्त आपूर्ति हो और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जा रही है।“

सिन्हा ने कहा कि उन्होंने जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से बात की और बाढ़ की स्थिति और बचाव एवं राहत कार्यों का जायजा लिया।

एलजी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन क्षेत्रों में प्राथमिकता पर बिजली, संचार और पानी की आपूर्ति बहाल करना सुनिश्चित करें जहां बाढ़ का पानी कम हो रहा है।

जम्मू के डिप्टी कमिश्नर राकेश मिन्हास ने एक्स पर कहा कि मंगलवार को अकेले जम्मू जिले में 3,500 से अधिक लोगों को बचाया गया।

”जिला प्रशासन, पुलिस, सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ लगातार राहत अभियान में हैं

पिछले 38 घंटों से जारी भारी बारिश के कारण जम्मू और सांबा के लगभग 20 से 30 निचले इलाकों में बाढ़ आ गई है।

पीरखो, गुज्जर नगर, आरएस पुरा, निक्की तवी, बेली चरण, गोरखानगर, कासिम नगर, राजीव नगर, शेर–ए–कश्मीर विश्वविद्यालय, अखनूर और परगवाल से बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। अधिक. ारियों ने बताया कि इसके अलावा, जम्मू जिले में उफनती तवी नदी के अधिकांश किनारों को खाली करा लिया गया है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि संभागीय आयुक्त कुमार लगातार उनके संपर्क में हैं और वर्तमान में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक बुला रहे हैं।

संभागीय आयुक्त के अनुसार, पुंछ और राजौरी जिलों को छोड़कर पूरे जम्मू संभाग में अभी भी बारिश हो रही है, हालांकि इसकी तीव्रता कम है। अधिकारी ने कहा कि तवी नदी का जलस्तर कम हो गया है

उनके कार्यालय द्वारा जारी एक नोट में कहा गया है, ष्तात्कालिक प्राथमिकता बिजली, पानी और मोबाइल सेवाओं की बहाली है, जिसके लिए अधिकारी रात भर लगातार काम कर रहे हैं। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, अर्धसैनिक बल, सेना और वायु सेना के अधिकारी नागरिक प्रशासन के साथ निकट समन्वय में हैं।ष इसमें कहा गया है कि

स्कूल और कॉलेज बंद रखने का आदेश दिया गया है और आम जनता को अपनी सुरक्षा के लिए अनावश्यक गतिविधियों से बचने की सलाह दी गई है।

बाढ़ के कारण ऐतिहासिक माधोपुर पुल सहित अन्य इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जम्मू–पठानकोट राजमार्ग पर स्थित इस पुल पर आज सुबह लगभग 3 बजे से यातायात रोक दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने जनता से बिना घबराए अधिकारियों के साथ सहयोग करने की अपील की।

घ्सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं।

सत शर्मा ने जम्मू में बादल फटने से पीड़ित परिवारों से मुलाकात की, संवेदना व्यक्त की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जम्मू और कश्मीर के अध्यक्ष सत शर्मा ने आज किश्तवाड़ के चशोती गांव में हाल ही में बादल फटने से अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के घर जाकर उनके दुख की घड़ी में अपनी हार्दिक संवेदना और एकजुटता व्यक्त की। मढ़ के विधायक सुरिंदर भगत, जिला अध्यक्ष नंद किशोर शर्मा और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ सत शर्मा ने मढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नागबनी फ्लोरा, बोड ड्रेनक, दाई चक, भगतपुर और गुरा सिंघु गांवों का दौरा किया, जहां कई शोक संतप्त परिवार रहते हैं। सत शर्मा ने परिवारों को सांत्वना देते हुए गहरा दुःख व्यक्त किया और उन्हें पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस विनाशकारी प्राकृतिक आपदा में बहुमूल्य जीवन की हानि ने एक अमिट घाव और एक अपूरणीय शून्य छोड़ दिया है। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि भाजपा परिवार पीड़ितों के साथ मजबूती से खड़ा है और यह सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास करेगा कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सरकारी सहायता और पुनर्वास सहायता मिले। शर्मा ने कहा, ष्हमारी प्रार्थनाएँ दिवंगत आत्माओं के साथ हैं और हमारी प्रतिबद्धता उनके पीछे छोड़े गए परिवारों के साथ है।

बिहार को मिली बड़ी सौगातरू राजेंद्र सेतु के विकल्प में नया पुल तैयार, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

पीएम मोदी शुक्रवार को बिहार में गंगा नदी पर बने 1.865 किमी लंबे छह लेन पुल का उद्घाटन करेंगे. यह पुल सात दशक पुराने राजेंद्र सेतु के समानांतर बनाया गया है. राजेंद्र सेतु की हालत जर्जर होने से लोगों को कई परेशानियों का सामना पड़ता था. नया पुल बिहार के आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा.

एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी बिहार की जनता को एक बड़ी सौगात देने जा रहे हैं. पीएम मोदी शुक्रवार को छभ्–31 पर 8.15 किलोमीटर लंबे औंटा–सिमरिया पुल परियोजना का उद्घाटन करेंगे, जिसमें पवित्र गंगा नदी पर 1.865 किमी लंबे 6 लेन वाला पुल भी शामिल है. इस परियोजना का बजट करीब 1,870 करोड़ रुपये है. यह पुल मोकामा और बेगुसराय को सीधा जोड़ेगा. इस पुल को सात दशक पुराने राजेंद्र सेतु के समानांतर बनाया गया है. पुराने पुल की हालत जर्जर होने की वजह से भारी वाहन यहां से नहीं निकल सकते और उन्हें दूरी तय करने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता था. नया पुल इस परेशानी को खत्म करेगा और ट्रैफिक जाम की भी समस्या कम होगी.

बेहतर कनेक्टिविटी करेगा प्रदान

पटना जिले के मोकामा और बेगूसराय के लोगों के लिए इस नये पुल का अलग ही महत्व होगा. यह पुल उत्तर बिहार (बेगूसराय, सुपौल, मधुबनी और अररिया) और दक्षिण बिहार (पटना, शेखपुरा, नवादा और लखीसराय आदि) के बीच तेज और सीधा संपर्क साधने में मदद करेगा. साथ ही यह पुल प्रसिद्ध तीर्थ स्थल सिमरिया धाम को भी बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा. यह भारत का सबसे चौड़ा अतिरिक्त पुल होगा. इसका डिजाइन और निर्माण आधुनिक इंजीनियरिंग का बेहतरीन उदाहरण माना जा रहा है.

आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

यह पुल बिहार के आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, खासकर उत्तर बिहार के लिए, जो कच्चे माल के लिए दक्षिण बिहार और झारखंड पर निर्भर है. साथ में यह पुल घरेलू उद्योगों और व्यापार को भी गति देगा.

पुराने राजेंद्र सेतु की हालत खराब होने की वजह से किसानों और व्यापारियों को भारी वाहनों के जरिए अपने उत्पादों को बाजारों तक पहुंचाने में मुश्किल होती थी, लेकिन इस नए पुल के निर्माण से यह काम आसान हो जाएगा. इसीलिए यह पुल सिर्फ एक पुल नहीं बल्कि बिहार के आर्थिक विकास का माध्यम है.

बिहार के लोगों में दिखा उत्साह

इस पुल के निर्माण को लेकर बिहार की जनता काफी उत्साह दिख रहा है. बेगूसराय निवासी राम कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री आम आदमी की बड़ी सेवा कर रहे हैं. यह पुल पटना और बेगूसराय जिलों को करीब लाएगा, और लोगों को सुविधा प्रदान करेगा. उन्होंने कहा कि यह उन वाहनों के लिए यात्रा की दूरी को कम करेगा जो क्षतिग्रस्त पुल के कारण चक्कर लगाने के लिए मजबूर थे. वहीं मोनू राज कहते हैं कि बेगूसराय से पटना पहुंचने में 3 घंटे लगते थे, लेकिन अब हम 1.5 घंटे में पहुंचेंगे. उन्होंने कहा कि अब सिमरिया धाम में ज्यादा पर्यटक आएंगे. इसके साथ ही अन्य लोगों ने भी मोदी के द्वारा किए गए काम के प्रति अपना आभार जताया.

पुल बनाने के समय आईं कई समस्याएं

इस परियोजना के बारे में बात करते हुए छभ्।प् अधिकारी एमएल योटकर ने बताया कि इस परियोजना के निर्माण में हमारी टीम को बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा.

उन्होंने कहा कि यह एक निचला इलाका है, जहां हर साल बाढ़ का खतरा रहता है और इस बाढ़ की वजह से हर साल 7 से 8 महीने निर्माण ही कार्य संभव हो पाता है. बाढ़ की वजह से इन क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. उन्होंने यह भी कहा कि इस पुल से निर्माण से लोगों को काफी राहत मिलेगी.

उपराष्ट्रपति चुनाव में जब आखिरी बार उतरा था तमिलनाडु का उम्मीदवार, तब क्ड्ड ने किसको दिया था वोट?

एजेंसी

9 सितंबर को देश को अगला उपराष्ट्रपति मिल जाएगा. लड़ाई एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडिया के बी सुदर्शन रेड्डी के बीच है. ।प्क्ड्ड समेत कई पार्टियों ने तमिलनाडु में दलों से कहा है कि वे अपने राज्य के नेता राधाकृष्णन के लिए वोट करें. ये चुनाव तमिलनाडु के लिए खास है, क्योंकि 41 साल बाद वहां का कोई उम्मीदवार उपराष्ट्रपति के चुनाव में है. आखिरी बार तमिलनाडु से किसी उम्मीदवार को इस पद के लिए उतारा गया था तो वो थे आर. वेंकटरमन.

इस बार के चुनाव में कांग्रेस की सहयोगी और तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज क्ड्ड ने अपने पत्ते खोल दिए हैं. स्टालिन की पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देने की बात कही है. संसद के दोनों सदनों में एनडीए के संख्याबल के कारण राधाकृष्णन की जीत पक्की मानी जा रही है, लेकिन डीएमके और उसके सहयोगी राजनीतिक कारणों से उनका विरोध करेंगे.

1984 के चुनाव में क्या था क्ड्ड का रुख?

हालांकि, द्रविड़ पार्टी के लिए ऐसा रुख कोई नई बात नहीं है. 1 अगस्त 1984 को कांग्रेस (आई) संसदीय बोर्ड ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में रक्षा मंत्री रहे आर वेंकटरमन को उपराष्ट्रपति पद के लिए औपचारिक रूप से नामित किया. इससे पहले, उन्होंने मद्रास में विभिन्न विभागों के मंत्री के रूप में कार्य किया था और राज्य के औद्योग. ीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

डीएमके के मुखपत्र मुरासोली की रिपोर्टों का हवाला देते हुए द डीएमके इयर्स के लेखक आर कन्नन ने लिखा है कि आम सहमति बनाने में विफल रहने पर विपक्षी दलों के नेता डीएमके के एरा मोहन, बीजेपी के अटल बिहारी वाजपेयी और सीपीआई के इंद्रजीत गुप्ता शामिल ने 2 अगस्त 1984 को एक बैठक बुलाई और रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद बी सी कांबले को अपने संयुक्त उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का फैसला किया, क्योंकि उन्हें पूरी तरह से पता था कि यह मुकाबला केवल औपचारिकता मात्र का होगा.

वेंकटरमन ने बड़े अंतर से दर्ज की जीत

कहा गया कि विपक्ष का वेंकटरमन के प्रति कोई व्यक्तिगत विरोध नहीं है, लेकिन उन्हें इस बात का अफसोस है कि प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय सहमति के आधार पर उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया का पालन नहीं किया. विपक्ष चाहता था कि कमजोर वर्ग के किसी सदस्य को उपराष्ट्रपति पद का अवसर दिया जाए.

मदरसा शिक्षकों को नीतीश ने ऐसे संभाला, मानदेय पर कर रहे थे हंगामा, खुद लिए आवेदन

बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के शताब्दी समारोह में सीएम नीतीश कुमार शामिल हुए. इस समारोह में मदरसा शिक्षकों ने सीएम की स्पीच पूरी होने के बाद जमकर हंगामा किया. दरअसल, मदरसा शिक्षकों से कहा गया था कि उनके मानदेय के लिए नीतीश कुमार बड़ा ऐलान करेंगे. लेकिन, सीएम ने कोई घोषणा नहीं की इसी के बाद पूरे सभागार में हंगामा शुरू हो गया.

एजेंसी

पटना में बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड की तरफ से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मदरसा बोर्ड के शताब्दी समारोह के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए. ज्ञान भवन में यह इवेंट हुआ. इसी आयोजन के दौरान प्रतिभागियों के एक ग्रुप ने सीएम नीतीश कुमार को कुछ कागजात देने की कोशिश की. इसका एक वीडियोभी सामने आया है, जिसमें लोग सीएम की तरफ कागज बढ़ाते दिख रहे हैं. उन्हें पुलिस रोकने की को. शिश कर रही है.

इस आयोजन में सीएम के सामने जमकर हंगामा हुआ. दरअसल, कार्यक्रम में सीएम के भाषण के बाद आक्रोशित शिक्षक पर्चे लहराने लगे. मुस्लिम मदरसा शिक्षकों ने ग्रांट के लिए विरोध प्रदर्शन किया. शिक्षकों का कहना है कि 2011 में नीतीश कुमार ने वादा किया था 2459 प्लस मदरसों को तनख्वाह देंगे. उनमें से 1646 मदरसे बच गए हैं. कार्यक्रम में नारे लगाए गए.

शिक्षकों ने क्यों किया हंगामा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के बापू सभागार में अल्पसंख्यक संवाद बुलाया था. इस संवाद के लिए पूरे बिहार से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग पहुंचे थे. जगह कम पड़ गई. जितने लोग अंदर थे उससे ज्यादा बाहर थे . बड़ी संख्या में मदरसा शिक्षक पहुंचे थे, शिक्षकों से कहा गया था कि उनके मानदेय के लिए नीतीश कुमार बड़ा ऐलान करेंगे. लेकिन, सीएम की स्पीच में ऐसा कुछ नहीं था. जिसके बाद पूरे सभागार में हंगामा शुरू हो गया. नीतीश कुमार के सामने ही हंगामा शुरू हुआ, कागज लहराए जाने लगे भड़के लोग मंच के सामने पहुंच गए. नीतीश कुमार ने कुछ लोगों से उनके हाथ का कागज खुद लिया, लेकिन मदरसा शिक्षकों की नारा. जगी बढ़ती देख नीतीश कुमार को वहां से निकाला गया. 1646 ऐसे मदरसों के शिक्षक यहां पहुंचे थे जिन्हें सरकार से कोई मानदेय नहीं मिलता है. मदरसा शिक्षकों ने सभा में खूब नारेबाजी और हंगामा किया. शिक्षकों ने कहा, आज इन मदरसों को लेकर घोषणा होनी थी और यही बोलकर बुलाया गया था. लेकिन, सीएम नीतीश ने अपने भाषण के दौरान कुछ भी बड़ी घोषणा नहीं की.

सीएम ने गिनाई अपनी पार्टी की कामयाबी

सीएम नीतिश कुमार ने इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए गिनाया कि उनकी सरकार ने मुसलमानों के लिए कितना काम किया है. सीएम ने कहा, पहले सरकार में कुछ नहीं था, हमारी सरकार बनने के बाद काम हुआ. पहले कितना बुरा हाल था. एनडीए की सरकार 2005 में बनी तब से काम हुआ. नई सरकार के गठन के बाद से मुस्लिम समुदाय के लिए काम किया गया. पहले हिंदु–मुस्लिमों के बीच झगड़ा होता था. सीएम की स्पीच के बाद ही हंगामा हो गया और शिक्षकों ने कुछ कागजात दिखाने शुरू किए. हंगामे के बाद सीएम नीतिश कुमार ने मदरसा शिक्षकों से ज्ञापन लिया. बिहार राज्य शिक्षा बोर्ड का गठन 1922 में हुआ था. फिर 1981 में अधिनियम बनने के बाद बोर्ड को स्वायत्त अधिकार मिले और राज्य के मदरसों को ग्रांट और मान्यता देने की प्रक्रिया मजबूत हुई.

सार्क को फिर से शुरू करने और शांति कायम करने के लिए कदम उठाएं : फारूक अब्दुल्ला

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को पुनर्जीवित करने का आह्वान किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करने और भारत को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने में मदद करने का आग्रह किया है।

पत्रकार शाहिद सिद्दीकी के संस्मरण आई, विटनेस : इंडिया फ्रॉम नेहरू टू नरेंद्र मोदी के विमोचन के अवसर पर बुधवार को बोलते हुए अब्दुल्ला ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हालिया मुलाकात का उदाहरण दिया, जिसके बाद ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात की। जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ष्समय आ गया है जब हमारे प्रधानमंत्री (मोदी) को भी ऐसे कदम उठाने होंगे जिससे भारत शांति के लिए दुनिया के साथ चल सके... सार्क को फिर से शुरू करने का समय आ गया है।

हमें अपनी ओर से कड़े कदम उठाने होंगे और शांति का मार्ग खोजना होगा – पूरी दुनिया की शांति के लिए। दुनिया बहुत छोटी हो गई है, और अगर हम इस छोटी सी दुनिया को प्यार से नहीं रख सकते, तो यह दुनिया हमें छोड़ देगी।ष् 1985 में स्थापित, सार्क एक क्षेत्रीय अंतर–सरकारी संगठन और दक्षिण एशियाई देशों का भू–राजनीतिक संघ है, जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव, भूटान और अफगानिस्तान शामिल हैं। सार्क बैठकों से उभरे कई परियोजनाओं और पहलों के बावजूद, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव ने समय–समय पर क्षेत्रीय सहयोग और सार्क–संबंधी गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

वाईएनसी ने नवनिर्वाचित जिला अध्यक्षों की अभिनंदन सभा आयोजित की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस (वाईएनसी), जम्मू प्रांत के नव–मनोनीत जिला अध्यक्षों की एक अभिनंदन सभा आज शेर–ए–कश्मीर भवन, जम्मू में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूएनसी, जम्मू प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष सरदार तेजिंदर पाल सिंह अमन ने की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और जेकेएनसी जम्मू के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता उपस्थित थे। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों, विशेष रूप से जम्मू–कश्मीर के युवाओं को सशक्त बनाने में, पर प्रकाश डाला।

अपने मुख्य भाषण में, रतन लाल गुप्ता ने क्षेत्र के युवाओं के लिए समावेशी विकास, कौशल विकास और रोज़गार सृजन के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में शुरू की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला, जिनमें शिक्षा सुधार, स्व–रोज़गार योजनाएँ और जम्मू–कश्मीर में मिशन युवा के तहत युवाओं के लिए विशेष प्रावधान शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि मिशन युवा का उद्देश्य विभिन्न आजीविका सृजन योजनाओं, उद्यमिता विकास और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी को एक मंच प्रदान करना है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को परिवर्तनकारी और सामुदायिक नेताओं के रूप में परिवर्तित करना है।

नवनिर्वाचित ज़िला अध्यक्षों को संबोधित करते हुए, सरदार तेजिंदर पाल सिंह अमन ने उनसे एक पखवाड़े के भीतर अपने–अपने क्षेत्रों में ज़िला समितियों का गठन करने का आह्वान किया। उन्होंने जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के विज़न और कार्यक्रमों को ज़मीनी स्तर तक सक्रिय रूप से प्रसारित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा, "वाईएनसी नेताओं को युवाओं से सीधे जुड़ना चाहिए और उन्हें लोकतांत्रिक शासन, शांति और विकास के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता के बारे में शिक्षित करना चाहिए।" उन्होंने पदाधिकारियों से अपने जिलों में जागरूकता अभियान शुरू करने का आग्रह किया।

युवाओं में नशीली दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए, वक्ताओं ने सामूहिक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। वाईएनसी नेतृत्व ने सामाजिक संगठनों, स्थानीय अधिकारियों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के सहयोग से पूरे जम्मू प्रांत में नशा–विरोधी जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने का संकल्प लिया।

अमन ने कहा, "नशे की लत हमारे युवाओं के जीवन और भविष्य को बर्बाद कर रही है। हमें इस बुराई के खिलाफ एकजुट होकर अपनी युवा पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ और सकारात्मक माहौल बनाना होगा।" जेकेएनसी जम्मू प्रांत के प्रांतीय सचिव शेख बशीर अहमद ने इस बात पर ज़ोर दिया कि युवा समाज की रीढ़ हैं और देश के भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने वाईएनसी पदाधिकारियों को आगामी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी शुरू करने और सभी निर्वाचन क्षेत्रों में युवा मतदाताओं को संगठित करने की सलाह दी। युवा कांग्रेस जम्मू प्रांत के उपाध्यक्ष नितीश गोस्वामी ने भी बैठक को संबोधित किया और युवाओं को जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने घोषणा की कि संगठन को मज़बूत करने और पूरे क्षेत्र के युवाओं से जुड़ने के लिए आने वाले दिनों में एक जनसंपर्क कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। बैठक में उपस्थित लोगों में शामिल थेरू–विजय लोचन अध्यक्ष एससी सेल, राकेश सिंह राका उपाध्यक्ष मध्य क्षेत्र, ठा. यशु वर्धन सिंह अतिरिक्त प्रवक्ता जम्मू, लक्ष्मी दत्ता वरिष्ठ नेता, ज़मीर कुरैशी, हमीद चौधरी, मुज़म्मिल मलिक, माजिद इकबाल नाइक, साहिल केर्नी जिला अध्यक्ष जम्मू शहरी वाईएनसी, राकेश शर्मा जिला अध्यक्ष जम्मू ग्रामीण ए वाईएनसी, अमित कुमार जिला अध्यक्ष जम्मू ग्रामीण बी वाईएनसी, जसीन मलिक जिला अध्यक्ष सांबा, विश्वजीत सिंह जिला अध्यक्ष कठुआ ग्रामीण वाईएनसी, अमन गुप्ता जिला अध्यक्ष बिलावर (संगठन) वाईएनसी, राहिल असलम जिला अध्यक्ष उधमपुर शहरी, आकाश खरका जिला अध्यक्ष उधमपुर ग्रामीण वाईएनसी, पवन कुमार जिला अध्यक्ष रियासी वाईएनसी, आसिफ अली जिला अध्यक्ष गूल–गुलाबगढ़ वाईएनसी, शेख फराज इकबाल जिला अध्यक्ष डोडा ग्रामीण (भद्रवाह) वाईएनसी, मोहम्मद नफीस मीर जिला अध्यक्ष रामबन वाईएनसी, वकार मीर जिला अध्यक्ष राजौरी ग्रामीण वाईएनसी।

सीबीआई ने हिरासत में यातना मामले में जम्मू-कश्मीर के 8 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया; पुलिस रिमांड की मांग करेगी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली, 21 अगस्त : सीबीआई श्रीनगर की विशेष अदालत से जम्मू–कश्मीर के आठ पुलिसकर्मियों की पुलिस रिमांड मांगेगी, जिन्हें उसने दो साल पहले एक साथी पुलिस कांस्टेबल पर "क्रूर और अमानवीय हिरासत में यातना" देने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

बुधवार रात विस्तृत पूछताछ के बाद हिरासत में लिए गए आठ अधिकारियों से आगे की पूछताछ की जाएगी ताकि कांस्टेबल खुर्शीद अहमद चौहान को ड्रग तस्करों की मदद करने के संदेह में छह दिनों तक प्रताड़ित करने में प्रत्येक आरोपी की भूमिका का पता लगाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर दर्ज अपनी प्राथमिकी में, केंद्रीय एजेंसी ने पुलिस उपाधीक्षक ऐजाज अहमद नायको और पांच अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जो उस समय संयुक्त पूछताछ केंद्र, कुपवाड़ा में तैनात थे। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान, सीबीआई को चौहान के साथ कथित अमानवीय व्यवहार में सहायता करने और जांच में असहयोग करने के लिए दो और पुलिसकर्मियों की भूमिका का पता चला। उन्होंने बताया कि डीएसपी नायको के अलावा, सब–इंस्पेक्टर रियाज अहमद और छह अन्य को कथित आपराधिक साजिश और हत्या के प्रयास सहित अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित, जो बारामूला में तैनात था, को एक मादक पदार्थ मामले के संबंध में जांच के लिए कथित तौर पर कुपवाड़ा एसएसपी के सामने रिपोर्ट करने के लिए 17 फरवरी, 2023 को एक सिग्नल संचार के माध्यम से बुलाया गया था। आगमन पर, उन्हें संयुक्त पूछताछ केंद्र को सौंप दिया गया, जहां नाइको, रियाज अहमद और अन्य ने खुर्शीद को छह दिनों तक लोहे की छड़ और लकड़ी के डंडों से प्रताड़ित किया, इसके अलावा उसे भारी बिजली के झटके दिए और उसके जननांगों को विकृत कर दिया, पत्नी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया, जो अब एफआईआर का एक हिस्सा है। "अंत में 26 फरवरी, 2023 को खुर्शीद के गुप्तांग काट दिए गए, इसके अलावा उसके गुप्तांग में छह दिनों तक लगातार लोहे की छड़ें डाली गईं। खुर्शीद को गंभीर यातना दी गई और उसके मलाशय में लाल मिर्च डाली गई और बिजली के झटके भी दिए गए, "शिकायत में कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामला सीबीआई को सौंपते हुए कहा था, "उन्हें 26 फरवरी, 2023 को दोपहर 2.48 बजे एसकेआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ एक

जम्मू-कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद के स्कूलों के अधिग्रहण से आतंकवाद का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र ध्वस्त हो जाएगा : बाली भगत

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व मंत्री बाली भगत ने आज जम्मू–कश्मीर में प्रतिबंधित जमात–ए–इस्लामी (जेईआई) और उसके सहयोगी फलाह–ए–आम ट्रस्ट (एफएटी) से संबद्ध 215 स्कूलों को अपने नियंत्रण में लेने के केंद्र सरकार के फैसले का कड़ा समर्थन किया। उन्होंने इस कदम को क्षेत्र में आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ एक लंबे समय से प्रतीक्षित और निर्णायक कदम बताया।

आज जारी एक प्रेस बयान में बाली भगत ने कहा, "मैं इस कदम के लिए केंद्र सरकार की सराहना करता हूँ।

यह आतंकवाद और उन जगहों पर एक कड़ा प्रहार है जहाँ चरमपंथी विचारधाराएँ पनपती हैं। जम्मू–कश्मीर में जो लोग आतंकवाद का अंत चाहते हैं, वे सभी इस कदम की सराहना कर रहे हैं।

उन्होंने आगे ज़ोर देकर कहा कि यह फ़ैसला आतंकवाद के पूरे तंत्र को तहस–नहस कर देगा, जो लंबे समय से इस क्षेत्र के कुछ शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने आगे कहा, "केंद्र सरकार की यह कार्रवाई आतंकवाद उद्योग को पूरी तरह से नष्ट कर देगी।

अब ये सभी स्कूल सरकारी प्रबंधन के अधीन होंगे और सरकारी पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा, जिससे इन संस्थानों में पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों का भविष्य सुरक्षित होगा।

बाली भगत ने इस अधिग्रहण को जम्मू–कश्मीर में जिहादी शिक्षा को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया और कहा कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि क्षेत्र में शिक्षा मुख्यधारा के मूल्यों के अनुरूप हो और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिले।

उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी उपायों पर कड़ा रुख अपनाने के लिए मोदी सरकार की भी प्रशंसा की।

भारतीय सेना ने मंजाकोट और देहरी रल्योट में बीपीएल छात्रों को स्टेशनरी वितरित की

सबका जम्मू कश्मीर

भारतीय सेना ने राजौरी ज़िले के मंजाकोट और देहरी राल्योट में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) जीवनयापन करने वाले परिवारों के छात्रों को स्टेशनरी वितरित की। इस अभियान का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के बच्चों को न केवल शैक्षिक सामग्री प्रदान करना था, बल्कि उन्हें आवश्यक भावनात्मक प्रोत्साहन भी प्रदान करना था। इन दूरदराज के गाँवों में आर्थिक तंगी और रोज़गार के अवसरों की कमी के कारण, कई छात्र कम उम्र में ही स्कूल छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं।

बुनियादी संसाधनों का अभाव उनकी शिक्षा प्राप्त करने और अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने की क्षमता में बाधा डालता है। इस संदर्भ में, स्थानीय समुदाय ने भारतीय सेना के प्रयासों की व्यापक रूप से सराहना की। इस पहल ने बच्चों और उनके परिवारों में अपार खुशी और आशा का संचार किया और एक उज्जवल भविष्य की कल्पना को प्रेरित किया। शैक्षिक सहायता प्राप्त करने वाले छात्रों के चेहरों पर उत्साह और कृतज्ञता साफ़ दिखाई दे रही थी। इस कार्यक्रम में 250 छात्रों, 35 शिक्षकों और 15 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया।

समारोह में उपस्थित शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों ने वंचित छात्रों, विशेष रूप से प्रतिकूल वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रहे छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सेना की निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की।

भारतीय सेना ने कल्लर मोहरा में खालभट एचएसएस को फर्नीचर वितरित किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय सेना ने खलभट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कल्लर मोहरा को बीस बेंच और डेस्क सौंपे। ऑपरेशन सद्भावना के हिस्से के रूप में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में शैक्षिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और छात्रों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना है। नए फर्नीचर के प्रावधान से स्कूल के सीखने के माहौल में काफी सुधार होगा, जो पर्याप्त कक्षा सुविधाओं की कमी के कारण बाधाओं का सामना कर रहा है। यह समर्थन छात्रों को आरामदायक बैठने की व्यवस्था और बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करके सीधे लाभान्वित करेगा, जिससे उन्हें अधिक उत्साह के साथ शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और सैनिकों की उत्साही भागीदारी देखी गई। शिक्षकों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, इस बात पर प्रकाश डाला कि इस तरह की पहल संसाधनों की कमी को पूरा करने और सेना और जनता के बीच विश्वास को बढ़ावा देने में एक लंबा रास्ता तय करती है।

सीआईआई जम्मू-कश्मीर ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए शीलीड्स-जम्मू के दूसरे संस्करण की मेजबानी की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) जम्मू–कश्मीर ने आज होटल विवांता में षमहिलाओं का सशक्तिकरण, समुदायों में बदलावष विषय पर शशीलीड्स – जम्मूश का दूसरा संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), चिकित्सा, कला और व्यवसाय जगत की प्रतिष्ठित महिला नेताओं ने महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने और सामाजिक प्रगति में उसकी उत्प्रेरक भूमिका पर संवाद को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह से हुई, जिसके बाद सीआईआई जम्मू–कश्मीर यूटी काउंसिल के अध्यक्ष और पैकेज डिज़ाइन इंडस्ट्रीज के सीएमडी डॉ. एम.ए. अलीम ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने लैंगिक विविधता और समावेशन के प्रति सीआईआई की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। डॉ. अलीम ने कहा, ष्एक सशक्त महिला एक प्रगतिशील समाज और एक समृद्ध अर्थव्यवस्था की निर्माता होती है। सीआईआई जम्मू–कश्मीर की शीलीड्स पहल केवल चर्चा का मंच ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक बदलाव का उत्प्रेरक भी है, जिसे जम्मू–कश्मीर में महिला नेताओं को प्रेरित, सक्षम और प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जम्मू–कश्मीर सरकार के राजस्व विभाग की विशेष सचिव, सुश्री अनु बहल ने अपने विशेष संबोधन में प्रशासनिक समावेशिता और सामुदायिक विकास के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ष्सच्चा सश. क्तिकरण तब होता है जब महिलाओं की आवाज़ न केवल सुनी जाती है, बल्कि नीति–निर्माण का अभिन्न अंग बन जाती है। राजस्व विभाग में, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं कि महिलाएँ अपनी भूमि और संपत्ति के अधिकारों के बारे में जागरूक हों और आसानी से उनका दावा कर सकें, जो उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और हमारे समुदायों के परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।ष

उधमपुर/डोडा रेंज की डीआईजी, आईपीएस सुश्री सारा रिज़वी ने कानून प्रवर्तन में अपने अनुभव साझा करते हुए लैंगिक समानता के मूल सिद्धांत पर प्रकाश डाला। उन्होंने तर्क दिया कि अवसर लिंग के आधार पर नहीं, बल्कि योग्यता के आधार पर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, षशिक्षा, करियर और नेतृत्व के अवसर व्यक्ति की योग्यता, जुनून और क्षमताओं के आधार पर दिए जाने चाहिए, न कि उनके लिंग के आधार पर। हमें उन पुरानी रूढ़ियों से मुक्त होना होगा जो हमारी क्षमताओं को सीमित करती हैं और सामाजिक प्रगति में बाधा डालती हैं। एक सच्चा समतापूर्ण वातावरण तभी संभव है जब सभी का मूल्यांकन लिंग आधारित अपेक्षाओं के बजाय उनके कौशल और योगदान के आधार पर किया जाए।ष

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, सुश्री मनदीप कौर, आईएएस, आयुक्त सचिव, जेकेएचयूडीडी, जम्मू–कश्मीर सरकार ने सीआईआई की इस पहल की सराहना की और एक दूरदर्शी कार्ययोजना प्रस्तुत की। सुश्री कौर ने कहा, ष्महिलाओं को थिंक टैंक और सीआईआई जैसे मंचों की गतिविधियों में अधिक भागीदारी करनी चाहिए। मैं दृढ़ता से अनुशंसा करती हूँ कि सीआईआई इस भागीदारी को बढ़ाने के लिए एक समर्पित महिला अध्याय शुरू करने पर विचार करे। यह महत्वपूर्ण है कि उनके विचार और दृष्टिकोण सीधे निर्णयकर्ताओं तक पहुँचें ताकि एक अधिक समावेशी नीतिगत ढाँचा तैयार हो सके।ष इसके बाद उन्हें एक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शनेतृत्व के रूप में महिलाएँ – प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हुईश विषय पर आयोजित ष्फायरसाइड चौटष थी, जिसका संचालन प्रख्यात शिक्षाविद् सुश्री सोफिया राणा ने किया। इस पैनल में सुश्री मनदीप कौर, सुश्री सारा रिज़वी, सुश्री अनु बहल, डॉ. जयश्री सिंह, सीएमओ एसजी/कॉमडीटी मेड, और प्रख्यात कलाकार सुश्री स्वाति शर्मा शामिल थीं, जिन्होंने गंभीर मुद्दों पर गहन चर्चा की।

चर्चा में परिवर्तनकारी नीतिगत सुधारों पर ज़ोर दिया गया और विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त लैंगिक असमानताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। पैनलिस्टों ने अपने विविध अनुभवों से इस बात पर ज़ोर दिया कि एक ऐसा माहौल बनाना जहाँ महिलाएँ नेतृत्व कर सकें, नवाच.ार कर सकें और उन्नति कर सकें, उनकी पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए ज़रूरी है। बातचीत में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि यह न केवल एक सामाजिक अनिवार्यता है, बल्कि एक रणनीतिक अनिवार्यता भी है, जो आर्थिक विकास, सामाजिक सामंजस्य और सामुदायिक लचीलेपन में ठोस योगदान देती है। सत्र के बाद दर्शकों के साथ एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिससे विचारों का आदान–प्रदान हुआ।

पुलिस ने भारत दर्शन दौरे के लिए पीडी सोपोर सहित जिला बारामूला के छात्रों के समूह को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर पुलिस के सिविक एक्शन प्रोग्राम (सीएपी) के हिस्से के रूप में, पीडी सोपोर सहित जिला बारामूला के 5 पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ 78 छात्रों को आज एक सप्ताह के भारत दर्शन दौरे–2025 के लिए रवाना किया गया। डीपीएल बारामूला में एक प्रभावशाली झंडा–ऑफ समारोह आयोजित किया गया, जहां डीआईजी एनकेआर बारामूला श्री मकसूद–उल–ज़मान, एसएसपी बारामूला श्री गुरिंदरपाल सिंह–आईपीएस, एडिशनल एसपी बारामूला श्री हरिप्रसाद–आईपीएस, एसपी ऑप्स बारामूला श्री फिरोज येह्या–जेकेपीएस, डीएसपी डीएआर डीपीएल बारामूला श्री अजय कुमार और श्री उमर उर्फान–जेकेपीएस, पीसी पट्टन ने समूह को झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, डीआईजी एनकेआर ने छात्रों को देश के ऐतिहासिक स्मारकों और सांस्कृतिक चमत्कारों का भ्रमण करके अपने क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए इस अवसर का लाभ उठाने की सलाह दी। उन्होंने छात्रों को राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को आत्मसात करने और इस भ्रमण को एक यादगार और जीवन बदल देने वाला अनुभव बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। एसएसपी बारामूला ने अपने संबोधन में छात्रों से एक सफल भविष्य के लिए अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और आत्मविश्वास, एकाग्रता और समग्र मानसिक व शारी. रिक स्वास्थ्य के लिए खेलों में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने और समय का सर्वोत्तम उपयोग करने पर ज़ोर दिया।

यह दौरा पूरी तरह से जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा प्रायोजित है, जिसमें भोजन और आवास की सुविधा, आने–जाने की हवाई यात्रा, दर्शनीय स्थलों की यात्रा और निर्देशित शैक्षिक भ्रमण शामिल हैं। छात्र नई दिल्ली और कोलकाता जाएँगे, जहाँ वे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक महत्व के स्थलों का भ्रमण करेंगे। अभिभावकों और प्रतिभागियों ने इस तरह की प्रेरक और शैक्षिक पहल के आयोजन के लिए जम्मू–कश्मीर पुलिस का आभार व्यक्त किया, जिससे युवाओं को देश की विविधता और प्रगति का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

जिला डोडा प्रवासी कल्याण समिति ने सत शर्मा से मुलाकात की, राशन कार्ड, पुनर्वास और सुविधाओं के लंबे समय से लंबित मुद्दों को उठाया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जिला डोडा प्रवासी कल्याण समिति, बेलीचराना के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जम्मू–कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा से पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर, जम्मू में मुलाकात की और राशन कार्ड, पुनर्वास और कल्याण सुविधाओं से संबंधित अपने लंबे समय से लंबित मुद्दों को उजागर किया। बातचीत के दौरान जम्मू–कश्मीर भाजपा महासचिव संजीता डोगरा और गोपाल महाजन भी उपस्थित थे। दलैर सिंह के नेतृत्व में आए इस प्रतिनिधिमंडल में कौशल शर्मा, अनिल कुमार, प्यार सिंह, पिंकू मन्हास, सुनील कुमार, राजिंदर शर्मा और अन्य लोग शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा नेतृत्व को बताया कि पिछले तीन दशकों से, बहुओं और नवजात बच्चों को राशन कार्ड में शामिल न किए जाने के कारण उनके समुदाय को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि नए राशन कार्ड जारी करने या विभाजन के दौरान, राजस्व, राहत और पुनर्वास विभाग लगातार महिला सदस्यों और उनके बच्चों को राशन कार्ड से बाहर रखता है, जिससे परिवारों को भारी परेशानी होती है। उन्होंने यह भी बताया कि लगभग 228 परिवार अन्य प्रवासी समुदायों को दिए जाने वाले लाभों से वंचित रह गए हैं।

इसके अलावा, उन्होंने बहुओं और नवजात शिशुओं को राशन कार्ड में शामिल करने, जम्मू के राहत आयुक्त (एम) द्वारा निर्धारित कार्डों के विभाजन, प्रधानमंत्री पैकेज के तहत कश्मीरी प्रवासियों की तर्ज पर प्रति परिवार एक सरकारी नौकरी, स्थायी पुनर्वास, प्रवासी शिविर बेलीचराना में भूमि का नियमितीकरण और किराए के आवास में रहने वालों को सरकारी आवास प्रदान करने की माँग उठाई, जैसा कि कश्मीरी प्रवासियों के लिए किया गया है।

शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि पार्टी उनके वाजिब अधिकारों और स्थायी पुनर्वास के संघर्ष में उनके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा ने हमेशा विस्थापित समुदायों के कल्याण के लिए काम किया है और उनके सम्मान और वाजिब अधिकारों के लिए लड़ती रहेगी।

प्रतिनिधिमंडल की बात धैर्यपूर्वक सुनते हुए, सत शर्मा ने समुदाय की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों पर चिंता व्यक्त की और उन्हें भाजपा के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

आरएमएमसी ने निःशुल्क मेगा मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर (आरएमएमसी), रामकृष्ण विहार, उदेवाला ने शनिवार को सुबह 9रू00 बजे से दोपहर 2रू00 बजे तक एक निरूशुल्क मेगा मल्टी–स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें समुदाय को स्वास्थ्य सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की गई। शिविर का नेतृत्व एसएमवीडी नारायणा अस्पताल के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. विश्व देव सिंह डडवाल, सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल से डॉ. लोतिका भारती और डॉ. शिवानी पाधा ने किया।

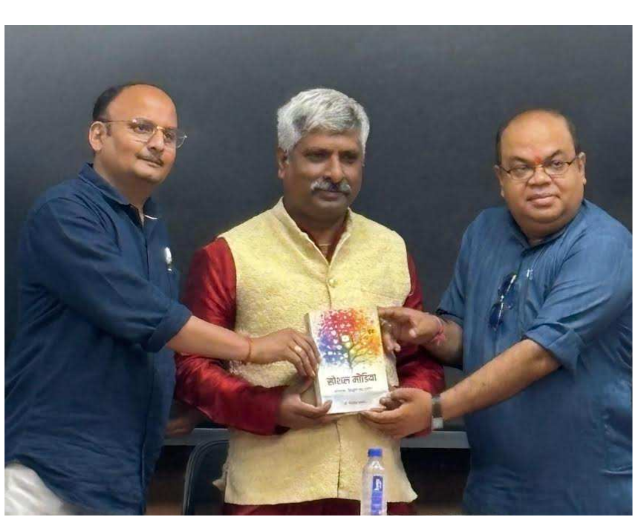

12 विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम ने गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एलोपैथी और आयुर्वेदिक सामान्य चिकित्सा, ईएनटी, दंत चिकित्सा, स्त्री रोग, नेत्र रोग और फिजियोथेरेपी सहित कई विशेषज्ञताओं में निःशुल्क परामर्श प्रदान किया। परामर्श के अलावा, शिविर में फाइब्रोस्कैन (लिवर टेस्ट), न्यूरोपैथी टेस्ट, यूरिक एसिड टेस्ट और ब्लड शुगर टेस्ट जैसे कई निःशुल्क नैदानिक परीक्षण भी किए गए।

मरीजों को 1200 रुपये की रियायती दर पर पूरे शरीर की जाँच की सुविधा भी दी गई, जिसमें सीबीसी, लिपिड प्रोफाइल, ब्लड शुगर, टीएफटी, एलएफटी, केएफटी और विटामिन डी टेस्ट शामिल थे, और जाँच से पहले उपवास रखना अनिवार्य था।

इस कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य निदेशक, जेकेएएस अरुण मन्हास, कृषि उत्पादन विभाग के अतिरिक्त सचिव, संदीप सियोन्त्रा, विदेश मंत्रालय के पुरुषोत्तम कुमार, डॉ. अश्विनी जोजरा, पैन्स एंड पॉट्स के निदेशक रमन गुप्ता और डॉ. अजय कुमार सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। उन्होंने मिशन के सराहनीय कार्यों की सराहना की और स्थानीय नागरिकों को इन चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ के साहड़ खड्ड पुल के पास बहाली कार्यों का निरीक्षण, विधायक डॉ. भारत भूषण ने बाढ़ प्रभावित गांवों को जल्द राहत का दिया आश्वासन

विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर कठुआ विधायक डॉ भारत भूषण लोगों की समस्या सुनते व हाल जानते वहीं सहार में चल रहें कार्य की बहाली का निरक्षण करते।

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ। लगातार भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित इलाकों में हालात का जायजा लेने के लिए कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने गुरुवार को चक घोटा , धनोरे व साहड़ खड्ड भिन्न भिन्न क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान साहड़ खड्ड पुल के पास चल रहे बहाली कार्यों का निरीक्षण किया गया, जो युद्ध स्तर पर जारी हैं।

दौरे के दौरान विधायक डॉ. भारत भूषण ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि उनकी परेशानियों का समाधान जल्द किया जाएगा और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। भाजपा जम्मू–कश्मीर की ओर से भी कहा गया कि राहत और पुनर्वास कार्य तेजी से पूरे कर लोगों को सामान्य जीवन की ओर लौटने में मदद दी जाएगी।

2024 के बाद मजबूत हो रही है राहुल-अखिलेश की केमिस्ट्री, भाजपा के खिलाफ संसद से सड़क तक कांग्रेस को सपा का साथ

एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बिहार फतह के लिए वोट अधिक. ार यात्रा निकाल रहे हैं. इस कैंपेन में उन्हें राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव का भरपूर साथ मिल रहा है. राहुल के लिए अच्छी बात ये भी है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी उनका साथ देने मैदान में उतरने वाले हैं. वह 28 अगस्त को सीतामढ़ी में राहुल के साथ यात्रा में शामिल होंगे. बिहार में चुनाव और सपा प्रमुख का उतरना दर्शाता है कि राहुल के साथ उनकी केसिस्टी मजबूत हो रही है.

2017 में देश ने देखी दोस्ती की शुरुआत

राहुल और अखिलेश की दोस्ती की शुरुआत देश ने 2017 में देखी. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले दोनों नेताओं ने कांग्रेस–समाजवादी पार्टी गठबंधन को शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए खड़ा बताया. ये तीन सिद्धांत हैं जिनके बारे में दोनों ने कहा कि ये राज्य में बीजेपी को हराएंगे.

तब अखिलेश ने कहा कि हमारा गठबंधन जनता का गठबंधन है. हम उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएंगे. यह गठबंधन यह सुनिश्चित करने के लिए है कि किसी भी तरह की चूक की गुंजाइश न रहे. हालांकि अखिलेश का दावा गलत साबित हुए और राज्य में लंबे समय के बाद बीजेपी की सरकार बनी.

इस चुनाव में फेल होने के बाद दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई थीं. फिर चाहे वो 2019 का लोकसभा चुनाव हो या 2022 का विधानसभा चुनाव. लेकिन अब अखिलेश और राहुल खुले तौर पर हर बड़े मुद्दे पर साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं. फिर चाहे वोट चोरी का हो,ेप्ए का हो या ऑपरेशन सिंदूर का.

सड़क से संसद तक साथ

संसद में भी अखिलेश वोट चोरीदृैप्ए के मुद्दे पर कांग्रेस के साथ हैं.

राहुल गांधी ने अपने आवास पर जब डिनर के बाद विपक्षी नेताआ. े को वोट चोरी पर प्रिजेंटेशन दी थी, तब भी अखिलेश सामने बैठकर सुन रहे थे. चुनाव आयोग तक विपक्ष के मार्च में भी अखिलेश राहुल के साथ थे.

इससे पहले 2024 के चुनाव में भी दोनों की जोड़ी कई बार साथ दिखी.

आगरा में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में अखिलेश पहुंचे थे. चुनाव प्रचार के दौरान राहुल के साथ अखिलेश ने रायबरेली में मंच साझा किया था. इस दौरान दोना. े को पीडीए के करन–अर्जुन बताकर पोस्टर भी नजर आए थे. गाजियाबाद में भी दोनों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी.

लोकसभा चुनाव में भी दिखा था बेहतर तालमेल

2024 के लोकसभा चुनाव में भी सपा और कांग्रेस के बीच सिर्फ गठबंधन नहीं हुआ था बल्कि दोनों ही पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं के बीच एक बेहतर तालमेल दिखा था. अखिलेश यादव के समर्थन में राहुल गांधी ने कन्नौज में वोट मांगने उतरे तो अखिलेश ने भी रायबरेली में राहुल के लिए जनसभा की. इसी केमिस्ट्री के दम पर सपा–कांग्रेस ने यूपी में अपनी स्थित मजबूत की और लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 40 से कम सीटों पर रोका.

दो लड़कों की जोड़ी बीजेपी के लिए टेंशन

कांग्रेस के साथ चलकर अखिलेश यादव 2027 में यूपी की सत्ता को अपने नाम करना चाहते हैं. इसके अलावा अखिलेश का प्लान अपनी पार्टी का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने का है.

अंतरिक्ष से भारत आज भी सबसे सुंदर.... शुभांशु शुक्ला ने शेयर किए मिशन के एक्सपीरियंस,बताया क्या था खास

एजेंसी

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंत. रराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सफल मिशन के बाद भारत वापस आ चुके हैं. गुरुवार को दिल्ली में उन्होंने अपने अंतरिक्ष के अनुभवों को शेयर किया. इस दौरान उनके साथ इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह मौजूद रहे. शुंभाशु शुक्ला ने कहा कि मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगा और इसरो का शुक्रगुजार हूं कि मुझे इस मिशन पर भेजा. शुभांशु ने गगनयान मिशन के बारे में भी बात की. गगनयान मिशन ैप्ट का ह्यूमन स्पेस मिशन है.

इसके तहत 2027 में स्पेसक्राफ्ट से वायुसेना के तीन पायलट्स को स्पेस में भेजा जाएगा.

दिल्ली में मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शुभांशु ने कहा– अंतरिक्ष में शरीर 3–4 दिन में एडॉप्ट हो जाती है. ये मिशन कई मायनों में कामयाब रहा. एक्जोम मिशन का अनुभव किसी ट्रेनिंग से कहीं ज्यादा है. चाहे जितनी भी ट्रेनिंग की होगी जब राकेट चलता है तो उसका अनुभव अविश्वसनीय होता है.

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्रा करने पर शरीर में बदलाव आते हैं. हालांकि यह सब ठीक हो जाता है. शरीर खुद को एडजस्ट कर लेता है. आप इस तरह के मिशन का गवाह बनते हैं तो ऐसा अनुभव होता है जो अलग है.

भारत आज भी सबसे सुंदर–शुभांश

शुभांशु शुक्ला ने कहा कि अब समय बदल रहा है पहले के मुक. ाबले अब बच्चे एस्ट्रोनॉट बनने के बारे में सोचने लगे हैं. इसरो तैयार है, मेरे लिए यह बहुत सुखद है. मैंने कभी नहीं सोचा था कि अंतरिक्ष यात्रा करूंगा पर सपना देखेंगे तो जा पाएंगे. मैं यही संद. ेश देना चाहूंगा. भारत आज भी अंतरिक्ष से सबसे अच्छा दिखता है.

अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बनाई गई अलग रणनीति– जितेंद्र सिंह

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले कुछ सालों में हमने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र के लिए रणनीति बनाई है. इसके साथ ही हम आगे बढ़े हैं. 8 मिलियन यूएस डॉलर की हमारी अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र की अर्थव्यवस्था है जो भविष्य में 45 की होगी. लोगों को लॉन्च देखने के लिए पीएम के निर्देश पर शुरू किया गया. इसका लाभ लोगों का रुझान स्पष्ट करता है. इसरो अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, दक्षिण एशियाई सैटेलाइट का निर्माण किया गया है.

आईआईएमसी जम्मू के छात्रों ने सीखी पटकथा लेखन की बारीकियां

”हमारे पूर्वजों ने हमें 10,000 वर्षों का ज्ञान एक निश्चित जमा राशि की तरह सौंपा है“रू प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी), जम्मू के छात्रों ने शनिवार को पटकथा लेखन के सूक्ष्म पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान के डीन और संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग के प्रमुख प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव ने पटकथा लेखन में भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला।

न्यू मीडिया, अंग्रेजी पत्रकारिता और हिंदी पत्रकारिता के विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए प्रो. श्रीवास्तव ने कहा, ष्हमारे पूर्वजों ने लगभग 10,000 वर्षों का बहुमूल्य अनुभव और ज्ञान हमें सौंपा है। यह ज्ञान एक लंबी परंपरा के माध्यम से हमारे पास आया है और एक निश्चित जमा राशि की तरह है जो हमें निरंतर समृद्ध करती रहती है। इसे ही हम भारतीय ज्ञान परंपरा कहते हैं, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति में केंद्रीय स्थान दिया गया है। ष्पटकथा लेखन में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकताष विषय पर बोलते हुए, उन्होंने बताया कि लेखन और दैनिक जीवन में शब्दों का घटता प्रयोग पटकथा लेखन के लिए एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने आगे कहा, ष्एक समृद्ध शब्दावली न केवल लेखन को मज़बूत बनाती है, बल्कि हमें मानसिक रूप से भी समृद्ध बनाती है। शोध से यह सिद्ध हुआ है कि हमारी शब्दावली जितनी मज़बूत होगी, हम बौद्धिक रूप से भी उतने ही मज़बूत होंगे। इसलिए, महत्वाकांक्षी पटकथा लेखकों को अपनी शब्दावली को समृद्ध बनाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। आईआईएमसी जम्मू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. दिलीप कुमार ने ज़ोर देकर कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के उदय के बावजूद, पटकथा लेखक प्रासंगिक बने रहेंगे। उन्होंने कहा, ष्एआई स्वतंत्र रूप से समाज की भावनाओं को पकड़ नहीं सकता या उन्हें शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। इसलिए, एआई के युग में भी, पटकथा लेखकों की भूमिका कम नहीं होगी। सत्र की शुरुआत डॉ. विनीत उत्पल द्वारा अतिथि वक्ता का छात्रों से परिचय कराने के साथ हुई। डॉ. रवींद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर, डॉ. दिलीप कुमार ने प्रो. श्रीवास्तव को आईआईएमसी के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित दो पुस्तकें, डॉ. विनीत उत्पल द्वारा लिखित ष्सोशल मीडियारू परिवेश, सिद्धांत एवं प्रयोगष और डॉ. रवींद्र सिंह द्वारा लिखित ष्स्वामी विवेकानंद की संचार नीति भेंट कर सम्मानित किया।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर
संपादकीय

अतीत की पहचान

संपादक – राज कुमार

जब तमिलनाडु के कीलाडी में बसी बस्ती ने पहली बार अपनी दबी हुई शहरी दुनिया को उजागर किया, तो बातचीत ईंटों, लिपियों और सभ्यता की वास्तुकला के बारे में थी। अब, कुछ ही हफ़्तों बाद, उस बातचीत ने एक अद्भुत मानवीय मोड़ ले लिया है। कुछ ही किलोमीटर दूर, कोंडागई के कलशों से, पुरातत्वविदों ने दो ऐसे व्यक्तियों के चेहरों का पुनर्निर्माण किया है जो 2,500 साल पहले जीए और मरे थे। पहली बार, अतीत हमें टुकड़ों या प्रतीकों के रूप में नहीं, बल्कि लोगों के रूप में देखता है। इस कदम के महत्व को अतिरंजित नहीं किया जा सकता। कलाकृतियाँ हमें संरचनाओं और प्रणालियों के बारे में बताती हैं; चेहरे हमें पहचान के बारे में बताते हैं। गालों की हड्डियों की आकृति, जबड़े की रेखा, या त्वचा के कल्पित रंग को देखना हमें याद दिलाता है कि ये अमूर्त नहीं थे, बल्कि ऐसे व्यक्ति थे जो एक ऐसे समाज में रहते थे, व्यापार करते थे, मेहनत करते थे और सोचते थे जो पहले की कल्पना से कहीं अधिक परिष्कृत था। इन पुनर्निर्मित चेहरों को देखना स्वयं निरंतरता का सामना करना है – वह कालातीत सूत्र जो प्राचीन जीवन को हमारे जीवन से जोड़ता है। पुनर्निर्माण अपने भीतर वंश की कहानी भी समेटे हुए हैं। प्रारंभिक खोजों से पता चलता है कि कीलाडी लोगों में प्राचीन दक्षिण भारतीयों के आनुवंशिक लक्षण मौजूद थे, जिनमें पश्चिम एशियाई और ऑस्ट्रो–एशियाई वंशों के निशान भी थे। दूसरे शब्दों में, वे अलग–थलग नहीं थे, बल्कि मानव प्रवास और आदान–प्रदान के विशाल जाल का हिस्सा थे। इस तरह के साक्ष्य उन सुविधाजनक द्विभाजनों को अस्थिर करते हैं जिन्होंने लंबे समय से हमारे इतिहास को ष्आर्यनष और ष्द्रविड़ष के सुव्यवस्थित खंडों में विभाजित कर रखा है। इसके बजाय, यह प्रकट करता है कि हमारी शुरुआतें स्तरित, बहुल और परस्पर जुड़ी हुई हैं। इसमें राजनीति भी है। जिस तरह कीलाडी की ईंटों ने कभी सभ्यतागत कहानी कहने में उत्तर के एकाधिकार को चुनौती दी थी, उसी तरह अब इसकी खोपड़ियाँ सांस्कृतिक उत्पत्ति के सरलीकृत दावों को जटिल बना रही हैं। बहस केवल इस बारे में नहीं है कि सभ्यता कहाँ उत्पन्न हुई, बल्कि इस बारे में भी है कि उसके लोग कौन थे, और क्या उन पर केवल एक ही आख्यान का दावा किया जा सकता है। उस अतीत को मानवीय रूप देकर, पुनर्निर्माण विनियोग का विरोध करते हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि कोई भी पहचान शुद्ध नहीं है, कोई भी वंश आदान–प्रदान से अछूता नहीं है। आज के भारत के लिए, यह संदेश समयोचित है। हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जो भाषा, क्षेत्र या धर्म के आधार पर खुद को विभाजित करने में तत्पर है। फिर भी, यहाँ हड्डियों और डीएनए में लिखा प्रमाण मौजूद है कि हमारे पूर्वज इस धरती से जुड़े और मिश्रित थे – दृढ़ता से जुड़े, फिर भी दुनिया के लिए खुले। इसे स्वीकार करना विरासत को कम करना नहीं, बल्कि उसे विस्तृत करना है, जटिलता को अपनाना है, न कि विशिष्ट मूल के मिथकों में सिमट जाना है। कीलाडी और कोंडागई में काम अभी पूरा नहीं हुआ है। डीएनए के नमूने खराब हो चुके हैं, पुनर्निर्माण व्याख्यात्मक हैं, और निष्कर्ष अभी भी अस्थायी हैं। लेकिन विज्ञान परिशोधन पर फलता–फूलता है, अंतिमता पर नहीं। प्रत्येक खोज उस कहानी में नयापन जोड़ती है जो अभी भी सामने आ रही है। तीन हफ़्ते पहले, कीलाडी ने हमें यह पूछने पर मजबूर किया कि कौन सा अतीत मायने रखता है, यह तय कौन करता है। आज, इसके चेहरे एक कोमल सत्य की फुसफुसाहट करते हैंरू कि अतीत हम सबका है, क्योंकि यह हम सब में रहता है।

उभरती महामारी

जलवायु परिवर्तन और वैश्विक व्यापार के कारण, पौधों में रोग पैदा करने वाले रोगाणु और फसल को नष्ट करने वाले कीट बढ़ रहे हैं और दूर–दूर तक फैल रहे हैं।

अयदेव जन

जलवायु परिवर्तन और वैश्विक व्यापार के कारण, पौधों की बीमारियों और फसल को नष्ट करने वाले कीटों का कारण बनने वाले रोगाणुओं की संख्या बढ़ रही है और वे दूर–दूर तक फैल रहे हैं। उच्च तापमान के कारण खाद्य फसलों के लिए हानिकारक रोगाणुओं और कीटों की संख्या में नाटकीय रूप से वृद्धि हो रही है, जिससे वे उत्तरी गोलार्ध में उत्तर की ओर और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिण की ओर और अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में फैल रहे हैं।

पर्यावरण अनुसंधान पत्रों में प्रकाशित फसल वैज्ञानिकों की एक टीम ने सटीक रूप से लिखारू ष्इन सीमा विस्तारों से बीज और कीटनाशक की लागत में वृद्धि, पैदावार में कमी और फसल की पैदावार में परिवर्तनशीलता में परिवर्तन के डाउनस्ट्रीम प्रभावों के माध्यम से काफी आर्थिक प्रभाव पड़ सकता है।ष पौधों की बीमारी के प्रकोप की गंभीरता के साथ–साथ कीटों के संक्रमण की बढ़ती घटनाओं ने दुनिया के कई संवेदनशील क्षेत्रों में प्राथमिक उत्पादकता, वैश्विक खाद्य असुरक्षा और जैव विविधता के नुकसान के लिए महत्वपूर्ण और बढ़ते जोखिम को जन्म दिया है। इन घटनाओं ने पारिस्थितिकी तंत्र को भी नुकसान पहुंचाया है। रोगजनक सूक्ष्मजीवों के कारण फसल के बाद होने वाले नुकसान से स्थिति और भी खराब हो गई है। यह आशंका है कि अगले पांच दशकों में किसी भी संभावित उपज लाभ को जलवायु परिवर्तन से प्रेरित दबाव से कम किया जाएगा, जो कि ज्ञात और साथ ही अज्ञात उभरते रोगजनकों और कीटों दोनों के कारण होता है।

हालांकि, सभी उद्देश्यों और उद्देश्यों के लिए, पौधों के कीट और रोगजनक अब खाद्य सुरक्षा के लिए एक वैश्विक खतरा बन गए हैं। बैक्टीरिया, कवक, ऊमाइसीट्स, वायरस और नेमाटोड सहित रोगजनकों की एक विविध श्रेणी पौधों को संक्रमित करती है। वे अपनी जीवन शैली, संक्रमण रणनीतियों और लक्षित पौधों के ऊतकों में भिन्न होते हैं। सैद्धांतिक रूप से, जलवायु परिवर्तन कई तरीकों से पौधों के संक्रमण को बढ़ावा दे सकता है, जिसमें रोगजनक विकास को बदलना, मेजबान–रोगज़नक़ संपर्क, वेक्टर फिजियोलॉजी को बदलना और यहां तक ष्कि रोगजनकों के नए उपभेदों के उद्भव को सुविधाजनक बनाना शामिल है, जो बदले में मेजबान–पौधे प्रतिरोध को तोड़ सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण रोगजनकों और मेज़बानों की सीमा में भी बदलाव हो सकता है, जिससे किसी विशेष क्षेत्र में नए क्षेत्रों में पौधों की बीमारियों का प्रसार बढ़ सकता है। जबकि जलवायु वार्मिंग रोगजनकों की जनसंख्या गतिशीलता के पहलुओं को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, जैसे कि ओवरविन्टरिंग और उत्तरजीविता, जनसंख्या वृद्धि दर या पॉलीसाइक्लिक प्रजातियों की पीढ़ियों की संख्या, वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ने पिछले कुछ दशकों में महाद्वीपों के बीच फसल रोगजनकों की आवाजाही को तेज कर दिया है, जिससे रोग–प्रचलित क्षेत्रों से रोग–मुक्त क्षेत्रों में संक्रमण का जोखिम बढ़ गया है। रोगजनकों के उद्भव के चालकों के रूप में व्यापार और परिवहन का एक शानदार उदाहरण केले का विल्ट रोग है, जिसे पनामा रोग या फ्यूजेरियम विल्ट के रूप में भी जाना जाता है। यह मिट्टी से पैदा होने वाले कवक फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम के कारण होता है। विल्ट संक्रमण ने अब एक सदी से भी अधिक समय से दुनिया भर में केले के बागानों को बर्बाद कर दिया है। यह पहली बार 1890 में मध्य अमेरिका में रिपोर्ट किया गया था। 1960 तक, इसने उष्णकटिबंधीय अमेरिका, कैरिबियन और पश्चिम अफ्रीका में अपनी जड़ें जमा लीं और तत्कालीन प्रमुख किस्म ग्रॉस मिशेल के लगभग 40,000 हेक्टेयर को प्रभावित किया। एक नई प्रतिरोधी किस्म के साथ खतरा कुछ हद तक कम हो गया था। लेकिन 1990 के दशक में फफूंद का एक नया प्रकार, जिसे ट्रॉपिकल रेस 4 या ज्त्4 कहा जाता है, ताइवान से उभरा। यह दुनिया भर में उपलब्ध 1000 से अधिक केले की किस्मों के लिए घातक साबित हुआ, जिनमें प्रतिरोध के लिए विकसित की गई किस्में भी शामिल हैं। शुरुआत में, यह दो दशकों तक पूर्वी एशिया और दक्षिण–पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों तक ही सीमित था, लेकिन यह बीमारी आक्रामक रूप से महाद्वीपों को पार करती हुई 20 देशों में फैल गई, जिसमें भारत भी शामिल है – जो इस फल का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। प्रकोप से निपटने के लिए 2013 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (थ्।व्) द्वारा बनाए गए ज्त्4 टास्क फोर्स ने इस प्रकार को श्कृषि के इतिहास में सबसे आक्रामक और विनाशकारी कवकों में से एक (और) केले के उत्पादन के लिए दुनिया का सबसे बड़ा खतराश कहा। टास्क फोर्स का कहना है कि सबसे प्रभावी तरीका यह है कि फफूंद का पता चलते ही उसे नियंत्रित किया जाए और इसके प्रसार को रोका जाए। वर्तमान में, कवकनाशी और अन्य रासायनिक और जैविक नियंत्रण एजेंट काफी हद तक असफल साबित हुए हैं।

2018 में, ऑस्ट्रेलिया ने ज्त्4 के प्रसार को रोकने के लिए जैव सुरक्षा उपाय लागू करने का प्रयास किया। इसने विदेशी मिट्टी को देश में प्रवेश करने से रोकने के लिए सख्त नियम बनाए। संक्रमित खेतों को बाड़ लगाकर अलग रखा गया। यह अच्छी तरह से काम आया, लेकिन केवल कुछ समय के लिए। आनुवंशिक संशोधन के माध्यम से विकसित फसलें भी असफल रहीं। ज्त्4 के प्रसार को रोकने के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली प्रथाओं में स्वच्छता और संगरोध प्रथाएँ शामिल हैं। वास्तव में, जहाँ तक केले की खेती का सवाल है, हम फिसलन भरे रास्ते पर हैं। जलवायु वार्मिंग रोगजनकों की जनसंख्या गतिशीलता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है।

दैनिक तापमान में कमी से कॉफ़ी पत्ती जंग रोगज़नक (कवक) हेमीलेया वेस्टेट्रिक्स की सुप्त अवधि कम हो जाती है, जिससे मध्य अमेरिका में जंग महामारी को बढ़ावा मिलता है। जंग एक विनाशकारी पत्ती रोग है जो प्रकाश संश्लेषण क्षमता को कम करता है और पेड़ को कमज़ोर करता है। यह कॉफ़ी उत्पादन को 30 से 50 प्रतिशत तक कम कर सकता है। प्रभावित देशों में उत्तरी अमेरिका के दो (1981–2020), मध्य अमेरिका के सात देश (1978–2020), अफ़्रीका के 11 देश (1860– 1890, 1910–1960, 2020), ओशिनिया के चार देश (1870, 1890–1910), एशिया के आठ देश (1869–1890, 1940 और 2020) और अमेरिका (2020) शामिल हैं। उच्च तापमान के साथ–साथ उच्च आर्द्रता आलू ब्लाइट रोगज़नक (फाइटोफ्थोरा इन्फेस्टांस) की बढ़ी हुई बीमारी की गंभीरता से जुड़ी हुई है।

यह आलू की सबसे तेजी से फैलने वाली और सबसे विनाशकारी बीमारी है। पिछले कुछ वर्षों में, नए वैज्ञानिक अनुसंधान ने कृषि विशेषज्ञों के लंबे समय से चले आ रहे इस दृष्टिकोण को पलट दिया है कि सूखे की अनुपस्थिति में खाद्य फसलें बढ़ते तापमान से अपेक्षाकृत अप्रभावित रहेंगी। लेकिन अब यह देखा गया है कि वैश्विक तापमान में परिवर्तन कृषि और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में रोगजनकों की घटना को गहराई से प्रभावित कर सकता है, जिससे नए कीटों और रोगजनकों के जोखिम या जोखिम में वृद्धि हो सकती है। ग्लोबल वार्मिंग से कई फंगल मृदा जनित पौधों के रोगजनकों की बहुतायत बढ़ने का अनुमान है, जिसके महत्वपूर्ण परिणाम होंगे। तापमान में वृद्धि के परिणामस्वरूप रोगजनकों के नए उपभेदों का विकास हो सकता है जो बेहतर रूप से अनुकूलित और अधिक विषैले होते हैं।

गेहूं के फ्यूजेरियम हेड ब्लाइट की गंभीरता में वृद्धि होने की संभावना है, क्योंकि हल्के फ्यूजेरियम कल्मोरम से, जो ठंडी और गीली स्थितियों को पसंद करता है, अधिक आक्रामक फ्यूजेरियम ग्रैमिनेरम में बदलाव हो रहा है, जो गर्म और आर्द्र स्थितियों को पसंद करता है। यह भी माना जाता है कि ऊंचा तापमान पौधों की प्रतिरक्षा को दबा सकता है, जिससे रोगाणु संक्रमण में वृद्धि हो सकती है। कई लोगों ने सोचा था कि उच्च ब्व्2 स्तर पौधों की वृद्धि को पर्याप्त रूप से निषेचित कर सकता है, जो गर्मी के तनाव के कारण होने वाली किसी भी उपज में कमी को संतुलित कर सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से उस परिकल्पना की पुष्टि करने के लिए किए गए गहन शोध से अब पता चलता है कि खाद्य फसलों की पैदावार पहले की तुलना में अधिक तापमान पर अधिक तेजी से घटने की संभावना है। इसके अलावा, खरपतवार और रोगाणुओं को खाद्य फसलों की तुलना में अतिरिक्त ब्व्2 से अधिक लाभ होता है। ऊंचा ब्व्2 स्तर खीरे पर पाउडरी फफूंदी की गंभीरता को बढ़ाता है, साथ ही गेहूं पर हेड ब्लाइट और ब्लॉच की गंभीरता को बढ़ाता है ये सभी पौधे रोगजनकों की हानिकारक गतिविधियों के कारण होते हैं।

वायुमंडलीय ब्व्2 पौधों की प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं और हार्मोन के स्तर को प्रभावित करता है जो पौधे–रोगज़नक़ों के बीच होने वाली अंतःक्रियाओं को प्रभावित कर सकता है। सापेक्ष आर्द्रता और मिट्टी की नमी में भिन्नताएँ पौधों के रोगजनकों की बहुतायत और संक्रामकता के मुख्य चालकों में से हैं, और इसलिए मानवता में जलवायु प्रेरित परिवर्तन भविष्य में पौधों की बीमारी के प्रकोप को प्रभावित करेंगे।

कई फंगल रोगों को बीजाणु अंकुरण और उनके मेजबान पौधों के संक्रमण के लिए उच्च आर्द्रता की आवश्यकता होती है।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

गिरफ्तार मंत्रियों को हटाने का विधेयक भ्रष्टाचार पर नहीं, विपक्ष पर हमला है

एम ए बेबी,

संजय पराते

जनहित, कल्याण और सुशासन के नाम पर पेश किया गया 130वां संविधान संशोधन विधेयक, 2025 वास्तव में विपक्ष के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को अस्थिर करने और भारत के संघीय ढांचे को कमजा.ेर करने के लिए बनाया जा रहा एक कठोर कानून है। बदले की राजनीति के दौर में, जहाँ विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों को तैनात किया जाता है, इस विधेयक के प्रावधानों को गुप्त उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस विधेयक में ष्संवैधानिक नैतिकताष् का उल्लेख करना इसकी मूल भावना के विपरीत है, क्योंकि यह इस स्थापित सिद्धांत का उल्लंघन करता है कि अयोग्यता और दंड केवल आरोपों या गिरफ्तारी से नहीं, बल्कि अदालतों द्वारा दोष सिद्धि से जुड़ा होना चाहिए। दोष सिद्धि के इस सिद्धांत का जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए), 1951 की धारा 8 में स्पष्ट रूप से समावेश किया गया है। आज के घातक राजनीतिक माहौल में, जहां व्यक्तियों पर आसानी से आरोप लगाए जा सकते हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है और लंबी अवधि के लिए हिरासत में रखा जा सकता है, इस कानून का निश्चित रूप से राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने और लोकतांत्रिक मानदंडों को खत्म करने के लिए हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239एए में मंत्रियों की नियुक्ति और हटाने की प्रक्रियाओं और पूर्वापेक्षाओं का विवरण दिया गया है और स्पष्ट रूप से ऐसी शक्ति ष्प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपतिष् और ष्मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपालष् को प्रदान की गई है। प्रस्तावित संशोधन इस संवैधानिक मंशा का उल्लंघन करता है। अनुच्छेद 14, 19 और 21 कानून के समक्ष समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, उचित प्रक्रिया और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सुनिश्चित करते हैं। अप्रमाणित आपराधिक आरोपों पर स्वतः निष्कासन इन गारंटियों का उल्लंघन करता है। यह सबूत का भार और निर्दोष होने की धारणा को ही उलट देता है। इस विधेयक में समीक्षा का कोई खंड भी नहीं है। एक बार हटाए जाने के बाद, बरी होने या 30 दिन की अवधि के बाद जमानत मिलने पर भी मंत्री स्वतः अपने पद पर वापस नहीं आ सकते। अगर गिरफ्तारी दुर्भावनापूर्ण पाई जाती है, तो मुआवजे का भी कोई प्रावधान नहीं है। वास्तव में, यह निवारक निरोध और यूएपीए जैसे कानूनों के दुरुपयोग को ही बढ़ावा देगा।

जहाँ तक केंद्रीय एजेंसियों की बात है, आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मौजूदा सत्ताधारी व्यवस्था का पसंदीदा पिट्ठू बन गया है। बहरहाल, ईडी का रिकॉर्ड बेहद खराब है और पिछले पाँच सालों में केवल 38 मामलों में ही दोषसिद्धि साबित हुई है। इसकी बेहद कम दोष सिद्धि दर इस तथ्य को भी उजागर करती है कि ज़्यादातर मामले कभी सुनवाई के चरण तक भी नहीं पहुँच पाते। 2014 से 2022 के बीच ईडी द्वारा जिन प्रमुख राजनेताओं की जांच की गई, उनमें से 95 प्रतिशत विपक्षी नेता थे। पीएमएलए के तहत ज़मानत मिलना दुर्लभ है, खासकर उन दो जुड़वां शर्तों के कारण — सरक.ारी वकील को ज़मानत अर्जी का विरोध करने का मौका मिलना और अदालत का यह संतुष्ट होना कि व्यक्ति दोषी नहीं है और ज़मानत पर रहते हुए उसके द्वारा कोई अपराध करने की संभावना नहीं है — जो धारा 45 के तहत पूरी होनी चाहिए। अगर यह विधेयक कानून बन गया, तो ऐसी ज्यादतियाँ और भी बढ़ जाएँगी!

इस विधेयक पर चार गंभीर आपत्तियाँ उठाई जानी चाहिएं। पहली, यह निर्दोष होने की धारणा का उल्लंघन करता है। यह मंत्रियों को केवल गिरफ्तारी पर ही दंडित करता है, दोषसिद्धि पर नहीं। इस प्रकार, ष्दोष सिद्ध होने तक निर्दोष होनेष् की संवैधानिक गारंटी को नष्ट करता है और प्रतिशोध के लिए कार्यपालिका के हाथ का एक हथियार बन जाता है। दूसरी, यह शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन करता है। स्वचालित निष्कासन संसदीय और न्यायिक निगरानी को दरकिनार कर देता है, कार्यपालिका के हाथ में अनियंत्रित शक्ति को केंद्रित करता है और बुनियादी संवैधानिक जाँच और संत.ुलन का उल्लंघन करता है। तीसरी, मंत्री पद से निष्कासन के लिए उचित प्रक्रिया से इंकार किया जा रहा है। मुकदमे, आरोप–निर्धारण या न्यायिक निष्कर्ष के बिना कोई भी निष्कासन उचित प्रक्रिया का उल्लंघन है, जैसा कि रामेश्वर प्रसाद बनाम भारत संघ के मामले में स्थापित किया गया था। चौथी, यह राजनीतिक दुरुपयोग के लिए एक मंच तैयार करता है। विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने वाली केंद्रीय एजेंसियों की वर्तमान सुस्थापित प्रवृत्ति के तहत, यह विधेयक स्वच्छ शासन को बढ़ावा देने के बजाय बदले की भावना को संवैधानिक रूप देने का जोखिम उठाता है।

यह विधेयक भारत के संवैधानिक ढाँचे पर एक अभूतपूर्व हमला है। यह विपक्ष और हमारे लोकतंत्र को दबाने के मोदी सरकार के तानाशाही प्रयास का प्रकटीकरण है, जो उसके नव–फासीवादी चरित्र को दर्शाता है। किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को मुकदमे से पहले हिरासत में लिए जाने और केवल गिरफ्तारी पर स्वतः पदच्युत करके, यह विधेयक निर्दोष होने और उचित प्रक्रिया की अवधारणा को नष्ट कर देता है, जो कानून और न्याय की एक सार्थक प्रणाली के आधार हैं। यह केंद्रीय एजेंसियों को मनमानी शक्ति प्रदान करता है, जिससे विपक्षी नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध के द्वार खुल जाते हैं। अभियोजन को हथियार बनाने का चलन पहले से ही चल रहा है और इसे संवैधानिक रूप से पवित्र नहीं बनाया जा सकता।

'(इंडियन एक्सप्रेस से साभार। लेखक माकपा के महासचिव हैं। अनुवादक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं। संपर्क : 94242–31650)'

एंटी क्राइम एनजीओ ने थाना प्रभारी बिश्नाह इंस्पेक्टर राकेश जम्वाल से की भेंट, सामाजिक कल्याण योजनाओं पर चर्चा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मः : समाज के कल्याण और पुलिस–जन सहयोग को मज़बूत बनाने के उद्देश्य से एंटी क्राइम एनजीओ ने थाना प्रभारी (एसएचओ) बिशनाह इंस्पेक्टर राकेश जम्वाल से विशेष मुलाकात की, यह कार्यक्रम एनजीओ के चेयरमैन श्याम लाल गुप्ता के निर्देशन में आयोजित किया गया, जो लगातार संगठन को समाजसेवा की ओर अग्रसर कर रहे हैं। बैठक के दौरान एनजीओ के राज्य के अध्यक्ष साहिल गुप्ता ने ए.एस.आई नरेश डिगरा और अपनी टीम के सदस्य राकेश कुमार, काना गुप्ता, अंश गुप्ता, रोहित कुमार, अभिषेक शर्मा , तुषार डिगरा और मोहित ने बताया कि संगठन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की जानकारी साझा की । इनमें पुलिस–जन संवाद बैठकें, युवाओं को खेलकूद के माध्यम से जोड़ने के कार्यक्रम, नशा मुक्ति रैलियाँ, सड़क सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे जन–जागरूकता अभियान शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य न केवल सामाजिक बुराइयों पर रोक लगाना है बल्कि समाज के हर वर्ग में सकारात्मक सोच का वातावरण तैयार करना भी है।

इंस्पेक्टर राकेश जम्वाल ने एनजीओ की इन गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास पुलिस की कार्यप्रणाली को सहयोग देने के साथ–साथ जनता और पुलिस के बीच भरोसे और सहयोग की भावना को भी मज़बूत करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि खेल और जागरूकता अभियानों में युवाओं की भागीदारी से उनके उत्साह और ऊर्जा को सही दिशा मिलती है, जिससे अपराध और नशे जैसी प्रवृत्तियों में कमी आती है। एनजीओ सदस्यों ने यह भी बताया कि जागरूकता अभियानों के अलावा वे गरीब और ज़रूरतमंद लोगों की सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं में मदद तथा शिक्षा सहयोग जैसे मानवीय कार्यों में भी लगातार सक्रिय रहते हैं।

इस परष्भ ने संगठन को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि सामाजिक बुराइयों से निपटने के लिए पुलिस और समाज का संयुक्त प्रयास बेहद आवश्यक है। चेयरमैन श्याम लाल गुप्ता नेष्भ राकेश जम्वाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी टीम भविष्य में भी इसी तरह समाजहित में सार्थक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास और तालमेल से ही नशाखोरी, अपराध और अन्य सामाजिक चुनौतियों पर काबू पाया जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर में 75 नायब तहसीलदार पदों के लिए 6.43 करोड़ रुपये से अधिक शुल्क एकत्र किया गया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जानक.ारी के अनुसार, मात्र 75 नायब तहसीलदार पदों के लिए भर्ती जम्मू–कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) के लिए अप्रत्याशित लाभ साबित हुई है, जिसने आवेदन शुल्क के रूप में अभ्यर्थियों से 6.43 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्र की है।

आरटीआई कार्यकर्ता रमन कुमार शर्मा ने बताया कि सामान्य वर्ग के लिए प्रत्येक फॉर्म की कीमत 600 रुपये और आरक्षित वर्ग के लिए 500 रुपये है। एकत्र की गई धन. राशि से पता चलता है कि एक लाख से अधिक उम्मीदवारों ने पदों के लिए आवेदन किया था, लेकिन पिछले महीने भर्ती प्रक्रिया स्थगित होने से अब ये उम्मीदवार अधर में लटक गए हैं। आरटीआई आवेदन दाखिल करने वाले शर्मा ने पीटीआई–भाषा को बताया, ष्प्रतिक्रिया का विशाल पैमाना – मात्र 75 पदों के लिए एक लाख से अधिक उम्मीदवारों का चुनाव लड़ना – गहराते बेरोजगारी संकट के बारे में बहुत कुछ कहता है। यह शिक्षित युवाओं की हताशा को दर्शाता है, जिनके पास डिग्री और योग्यता के बावजूद बहुत कम अवसर बचे हैं। जेकेएसएसबी ने अपने जवाब में कहा कि राजस्व विभाग में नायब तहसीलदार के 75 पदों के लिए 9 जून को उम्मीदवारों से 6,43,28,400 रुपये की राशि फीस के रूप में एकत्र की गई थी।

शर्मा ने 21 जुलाई को आरटीआई आवेदन दायर किया था, जिसके एक सप्ताह बाद जेकेएसएसबी ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट), जम्मू द्वारा भर्ती के लिए श्केवल उर्दू़ नियम पर रोक लगाने के बाद अगली सूचना तक भर्ती स्थगित कर दी थी।

कार्यकर्ता ने नौकरी अधिसूचना के जवाब में प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या (श्रेणीवार) तथा उनसे एकत्रित धनराशि के बारे में विवरण मांगा था।

एसटी-2 छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति वितरण सुनिश्चित करेगा जनजातीय विभाग : मंत्री राणा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू, जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने आश्वस्त किया है कि जम्मू–कश्मीर में अनुसूचित जनजाति ॅ(ज) वर्ग के विद्यार्थियों, विशेषकर ॅज–2 श्रेणी के छात्रों को प्री–मैट्रिक और पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति समय पर उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण पूरी तरह जनजातीय मामलों के विभाग (ज।क) के अधिक. ार क्षेत्र में है और इसमें किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं की जाएगी। केवल सत्यापन और डुप्लीकेशन हटाने की प्रक्रिया के कारण मामूली समय लग सकता है।

मंत्री राणा ने विभाग के सचिव और निदेशक को निर्देश जारी करते हुए कहा कि नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने वाले सभी योग्य ॅज–2 छात्रों को तुरंत लंबित छात्रवृत्तियां जारी की जाएं।

निदेशालय के प्रवक्ता ने बताया कि पहले सामाजिक कल्याण विभाग से लाभ उठा रहे ॅज–2 विद्यार्थियों को अब केवल जनजातीय मामलों के विभाग के अंतर्गत शामिल किया गया है। इसके लिए डुप्लीकेशन हटाने का कार्य पूरा कर लिया गया है।

निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि सभी पात्र छात्रों को अब छात्रवृत्ति मिलनी शुरू हो गई है।

वहीं, यदि किसी पात्र विद्यार्थी को अब तक लाभ नहीं मिला है तो वह सीधे निदेशक, जनजातीय मामले विभाग, जम्मू–कश्मीर से संपर्क कर सकता है, जहां उनकी समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा।

तृप्ता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा में राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया

राम सिंह

चलवाड़ा : तृप्ता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल के प्रधानाचार्य राकेश राणा रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के चारों सदनोंकृलिली, लोटस, रोज और डेजीकृके विद्यार्थियों, स्काउट एंड गाइड दल, हेड बॉय, हेड गर्ल तथा स्पोर्ट्स कप्तान द्वारा भव्य मार्च–पास्ट से हुई, जिसमें मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। इसके उपरांत विद्यार्थियों और शिक्षकों ने खेल दिवस की शपथ ली।

इस वर्ष का मुख्य विषय रहाकृ

कार्यक्रम में डेजी, लिली, लोटस और रोज सदन के विद्यार्थियों ने कर हर मैदान फतेह गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया।

अलावा विद्यार्थियों ने कविता और लघु नाटिका भी प्रस्तुत की। खेल दिवस के अवसर पर इंटर–स्कूल वॉलीबॉल, खो–खो, कबड्डी और बास्केटबॉल जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

प्रधानाचार्य राकेश राणा ने अपने संबोधन में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि ध्यानचंद ने कठिन संघर्षों के बावजूद देश का नाम विश्व पटल पर रोशन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि अच्छा खिलाड़ी बनने के लिए पढ़ाई के साथ–साथ खेलों का नियमित अभ्यास आवश्यक है।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने संबंधी विधेयक मोदी के भ्रष्टाचार मुक्त भारत निर्माण के दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं : वेद शर्मा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा जम्मू–कश्मीर संघ शासित प्रदेश के सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी वेद शर्मा ने भ्रष्टाचार या कदाचार में लिप्त पाए गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने की व्यवस्था को सशक्त बनाकर सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधेयकों के प्रस्तुतीकरण का स्वागत किया है।

आज यहाँ जारी एक बयान में, शर्मा ने कहा कि ये विधेयक भ्रष्टाचार मुक्त भारत निर्माण के सरकार के दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, ष्ऐसे विधेयक लाने का कदम ऐतिहासिक है और पारदर्शिता तथा स्वच्छ शासन के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह एक स्पष्ट संदेश देता है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे उसका पद कितना भी ऊँचा क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है।

विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए, शर्मा ने उन पर केवल निहित स्वार्थों को बचाने के लिए विधेयकों का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ष्इन विधेयकों का विरोध करके कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने अपनी मानसिकता उजागर कर दी है। उनकी आपत्ति से यह स्पष्ट होता है कि वे भ्रष्ट लोगों को बचाना चाहते हैं और भाई–भतीजावाद व पक्षपात की पुरानी व्यवस्था को जारी रखना चाहते हैं।ष

भाजपा के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने शासन के हर स्तर से भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, ष्भाजपा हमेशा से सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी में विश्वास करती रही है। ये विधेयक लोकतंत्र में लोगों के विश्वास को मज़बूत करेंगे और सर्वोच्च पदों पर आसीन लोगों की जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने नागरिकों से विपक्ष के दोहरे मानदंडों को समझने की अपील की। घ्ष्शर्मा ने ज़ोर देकर कहा, ष्लोगों को यह पूछना चाहिए कि कोई ऐसे कदम का विरोध क्यों करेगा जो नेताओं को जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने का प्रयास करता है। सच्चाई यह है कि भ्रष्टाचार कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों की पहचान रहा है, और उनका विरोध केवल स्वच्छ राजनीति के प्रति उनकी असहजता को दर्शाता है।

शायरी

'अपनी तबाही का मंजर खुद लिखा'

राज कुमार

अपनी तबाही का मंजर खुद लिखा जा रहा है,
लालच की स्याही से हर पन्ना भरा जा रहा है।
कभी हरेदृभरे जंगल थे, छाँव का सहारा था,
अब हरियाली की जगह काँटों का किनारा है।
नदियों का पानी ज़हर सा बन गया है,
फिर भी इल्ज़ाम किसी और पर धरा जा रहा है।
पहाड़ों की छाती को खोखला किया हमने,
सोनादृचाँदी के लिए पत्थर काटा जा रहा है।
धरती माँ की गोद को बर्बाद कर बैठे हैं,
सभ्यता का नाम लेकर उसे लूटा जा रहा है।
ना हम पेड़ों को बचा पाए, ना पंछियों का बसेरा,
हर रोज़ नया कोई जंगल जलाया जा रहा है।
साँसें जो मिलीं थीं, वो भी अब महँगी होंगी,
क्योंकि हवा को धुएँ से दबाया जा रहा है।
ए इंसान! अब भी वक़्त है, तू संभल जा,
वरना हर चेहरा आँसुओं में डुबाया जा रहा है।
ज़िन्दगी का हर रंग मिट्टी में खो जाएगा,
और आने वाली पीढ़ी को बस अफ़सोस दिलाया जा रहा है।

राज कुमार (संपादक)
सबका जम्मू कश्मीर
मोबाइल नंबर :–6005134383

सीबीआई ने हिरासत में यातना मामले में जम्मू–कश्मीर के 8 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया; पुलिस रिमांड की मांग करेगी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : सीबीआई श्रीनगर की विशेष अदालत से जम्मू–कश्मीर के आठ पुलिसकर्मियों की पुलिस रिमांड मांगेगी, जिन्हें उसने दो साल पहले एक साथी पुलिस कांस्टेबल पर ष्क्रूर और अमानवीय हिरासत में यातनाष् देने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

बुधवार रात विस्तृत पूछताछ के बाद हिरासत में लिए गए आठ अधिक. ारियों से आगे की पूछताछ की जाएगी ताकि कांस्टेबल खुर्शीद अहमद चौहान को ड्रग तस्करों की मदद करने के संदेह में छह दिनों तक प्रताड़ित करने में प्रत्येक आरोपी की भूमिका का पता लगाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर दर्ज अपनी प्राथमिकी में, केंद्रीय एजेंसी ने पुलिस उपाधीक्षक ऐजाज अहमद नायको और पांच अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जो उस समय संयुक्त पूछताछ केंद्र, कुपवाड़ा में तैनात थे। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान, सीबीआई को चौहान के साथ कथित अमानवीय व्यवहार में सहायता करने और जांच में असहयोग करने के लिए दो और पुलिसकर्मियों की भूमिका का पता चला। उन्होंने बताया कि डीएसपी नायको के अलावा, सब–इंस्पेक्टर रियाज अहमद और छह अन्य को कथित आपराधिक साजिश और हत्या के प्रयास सहित अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित, जो बारामूला में तैनात था, को एक मादक पदार्थ मामले के संबंध में जांच के लिए कथित तौर पर कुपवाड़ा एसएसपी के सामने रिपोर्ट करने के लिए 17 फरवरी, 2023 को एक सिग्नल संचार के माध्यम से बुलाया गया था। आगमन पर, उन्हें संयुक्त पूछताछ केंद्र को सौंप दिया गया, जहां नाइको, रियाज अहमद और अन्य ने खुर्शीद को छह दिनों तक लोहे की छड़ और लकड़ी के डंडों से प्रताड़ित किया, इसके अलावा उसे भारी बिजली के झटके दिए और उसके जननांगों को विकृत कर दिया, पत्नी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया, जो अब एफआईआर का एक हिस्सा है। "३अंत में 26 फरवरी, 2023 को खुर्शीद के गुप्तांग काट दिए गए, इसके अलावा उसके गुप्तांग में छह दिनों तक लगातार लोहे की छड़ें डाली गईं। खुर्शीद को गंभीर यातना दी गई और उसके मलाशय में लाल मिर्च डाली गई और बिजली के झटके भी दिए गए, "शिकायत में कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामला सीबीआई को सौंपते हुए कहा था, ष्उन्हें 26 फ़रवरी, 2023 को दोपहर 2.48 बजे एसकेआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ एक सब–इंस्पेक्टर उनके क्षत–विक्षत जननांगों को एक अलग प्लास्टिक बैग में अस्पताल ले आया था। यह एक ऐसा तथ्य है जो हमारी अंतरात्मा को झकझोर देता है।ष खुर्शीद की पत्नी, जो अपने पति के खिलाफ कथित अत्याचारों की जाँच के लिए दर–दर भटक रही थीं, की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि तत्कालीन कुपवाड़ा एसएसपी।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

संत निरंकारी मिशन ने कठुआ में लगाया रक्तदान शिविर, 126 यूनिट रक्त एकत्र

रक्तदान शिविर के दौरान विधायक डॉ भारत भूषण व निरंकारी मिशन कठुआ के सेवादार | निरंकारी रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते विधायक डॉ भारत भूषण

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ । मानवता और एकता का संदेश लेकर संत निरंकारी मिशन ने कठुआ स्थित सत्संग भवन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। "नर सेवा, नारायण पूजा" की भावना से प्रेरित इस शिविर में मिशन के सदस्यों और श्रद्धालुओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 126 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक डॉ. भारत भूषण ने किया। उन्होंने मिशन की सामा. जिक एवं आध्यात्मिक सेवाओं की सराहना करते हुए बाबा हरदेव सिंह जी का संदेश उद्धृत कियाकृ "रक्त नालियों में नहीं, नाड़ियों में बहना चाहिए।"

इस अवसर पर जोनल इंचार्ज अजीत सिंह ने मानव एकता और विश्व बंधुत्व पर बल देते हुए कहा कि रक्तदान शिविर जैसे प्रयास मानवता की सेवा के प्रति मिशन की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। वहीं, बी.आर. निरंकारी, संयोजक कठुआ ने सभी रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों और गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद करते हुए समाज में करुणा और एकता का संदेश फैलाने का आह्वान किया।

रक्त संग्रहण का कार्य पूर्ण चिकित्सकीय देखरेख में हुआ, जिसमें गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जम्मू की टीम (नेतृत्व डॉ. सालवी) और गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कठुआ की टीम (नेतृत्व डॉ. सोनिया) ने सहयोग किया।

कार्यक्रम में इंद्रजीत शर्मा, ज्ञान प्रचारक, दिल्ली सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कठुआ डीसी राजेश शर्मा की अध्यक्षता में डीएलआईसी बैठक, मिशन युवा के तहत 290 नए केस मंजूर

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, जिला विकास आयुक्त कठुआ राजेश शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति (क्स्प्) की अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में मिशन युवा के अंतर्गत 290 नए मामलों को मंजूरी प्रदान की गई। इस मंजूरी के साथ अब जिले में स्वीकृत मामलों की कुल संख्या 522 तक पहुँच गई है।

बैठक के दौरान डीसी राजेश शर्मा ने स्किल डेवलपमेंट एंड बिज़नेस यूनिट (ँठक्) को लंबित मामलों की जल्द से जल्द जांच पूरी कर लाभार्थियों को समय पर सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिशन युवा का उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने के साथ–साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

बैठक में एडीसीसी कठुआ सुरिंदर मोहन, जीएम डीआईसी कठुआ मुश्ताक चौधरी, मुख्य कृ षि अधिकारी जतिंदर कुमार, सहायक निदेशक रोजगार विभाग पियूषा खजूरिया, डीडीएम नाबार्ड, क्लस्टर हेड जेके बैंक, लीड बैंक मैनेजर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों का कहना था कि सभी विभागों के संयुक्त प्रयासों से मिशन युवा की पहुंच और प्रभाव ज़िले में और मज़बूत होगा।

जावेद राणा का बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा, हर प्रभावित परिवार को मदद का भरोसा

सनी शर्मा

जम्मू : तेज़ बारिश से तबाही झेल रहे भरमनी, बठिंडी, चटा और सुं. जवां इलाकों का शनिवार को मंत्री जावेद राणा ने दौरा किया। उनके साथ सांसद जी. ए. खताना, पूर्व विधायक चौधरी विक्रम रंधावा, वरिष्ठ नेता तरनजीत सिंह टोनी और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। मंत्री ने गांव–गांव जाकर नुक़सान का जायज़ा लिया, प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनकी परेशानियाँ सुनीं।

उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार युद्धस्तर पर राहत और बहाली का काम कर रही है। बिजली और पानी जैसी ज़रूरी सेवाओं को जल्द बहाल किया जाएगा। साथ ही प्रभावित परिवारों को राहत और पुनर्निर्माण की हर संभव मदद दी जाएगी।

मंत्री राणा ने साफ कहा दृ "सरकार हर घर के साथ खड़ी है, किसी को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।"

ब्रह्माकुमारीज़ ने कठुआ के बाढ़ प्रभावित गांवों में बांटा राहत सामग्री

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व. विद्यालय कठुआ द्वारा आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री वितरण शिविर आयोजित किया गया।

ब्रह्माकुमारी केंद्र कठुआ की संच. ालिका बी.के. वीना जी के नेतृत्व में विधायक डॉ. भारत भूषण और डीडीसी उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह बाबलू ने मिलकर खोकयाल और खनयारा मंजली गांवों में राहत सामग्री वितरित की।

इस अवसर पर बी.के. शशि, बी. के. उषा, बी.के. मनु, बी.के. आरती, बी.के. सुरेश भाई, बी.के. गोविंद भाई, बी.के. तीरथ भाई, बी.के. सीताकांत भाई सहित अन्य बहनें और भाई राहत शिविर के आयोजन और सामग्री वितरण में सहयोगी रहे। गौरतलब है कि 16 अगस्त को बगरा और जोध गांवों में बादल फटने से कठुआ के कई गांवोंकृ बगरा, खरोते, जंगलोते, दिलवान, बिज्जित, पंयारा, खनयारा, मंजली, खोकयाल, शेरपुर, चक द्राब खान और जमालपुरकृमें भारी तबाही मची थी।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का उद्देश्य बी.के. वीना जी के नेतृत्व में प्रभावित परिवारों तक पहुंचकर उनकी मदद करना है।

वितरित की गई राहत सामग्री में गैस सिलेंडर, चावल, आटा, गैस लाइटर, टॉर्च, चीनी, चाय, बिस्कुट, रसोई का सामान और डबल कंबल शामिल थे। सबसे अधिक प्रभावित 60 परिवारों को यह सामग्री दी गई। विधायक कठुआ और प्रभावित ग्रामीणों ने ब्रह्माकुमारी संस्था विशेषकर बी.के. वीना जी और उनकी टीम का संकट की घड़ी में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। राहत वितरण कार्य में सामा. जिक कार्यकर्ता रवि अंडोत्रा, कैप्टन पवन, जी.डी. मन्याल, अमित सूदन, भानु प्रताप सहित अन्य लोगों ने भी सहयोग किया

सीबीआई ने कुपवाड़ा में पुलिसकर्मी को प्रताड़ित करने के आरोप में अधिकारियों समेत 6 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दो साल पहले संयुक्त पूछताछ केंद्र कुपवाड़ा में एक पुलिस कांस्टेबल को कथित तौर पर हिरासत में प्रताड़ित करने के मामले में दो अधिकारियों सहित छह पुलिसकर्मियों और दो नागरिकों को आज गिरफ्तार किया।

कुपवाड़ा में एक पुलिस कांस्टेबल को कथित तौर पर हिरासत में प्रताड़ित करने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद ये गिरफ्तारियां हुईं। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और अवैध हिरासत के दौरान कांस्टेबल को लगी गंभीर चोटों के लिए मुआवजा देने का आदेश दिया था। गिरफ्तार अधिकारियों में पुलिस उपाधीक्षक ऐजाज अहमद नाइकू, इंस्पेक्टर रेयाज अहमद, जहांगीर अहमद, इम्तियाज अहमद, मोहम्मद यूनिस और शाकिर अहमद शामिल हैं। पुलिसकर्मी को प्रताड़ित करने के समय वे जेआईसी कुपवाड़ा में तैनात थे।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपक ो निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतः दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

किश्तवाड़ बादल फटने की घटना : 33 लापता लोगों की तलाश के लिए बहु-एजेंसी तलाशी अभियान तेज

सबका जम्मू कश्मीर

चिसोटी (जम्मू–कश्मीर), 21 अगस्त : अधिकारियों ने बताया कि जम्मू–कश्मीर के बादल फटने से प्रभावित किश्तवाड़ जिले में 33 लापता लोगों की तलाश के लिए बहु–एजेंसी तलाशी अभियान गुरुवार को आठवें दिन में प्रवेश कर गया।

14 अगस्त को मचैल माता मंदिर के रास्ते में पड़ने वाले आखिरी गाँव में आई प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या 65 हो गई है, जिनमें तीन सीआईएसएफ कर्मी और जम्मू–कश्मीर पुलिस का एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) शामिल हैं। 100 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 33 लापता लोगों का पता लगाने के लिए कई एजेंसियों द्वारा तलाशी अभियान तेज़ कर दिया गया है। सबसे ज़्यादा प्रभावित जगहों पर अलग–अलग टीमें अभियान चला रही हैं। अभियान का केंद्र तीन जगहों पर हैकृलंगर (सामुदायिक रसोई) के पास का मुख्य प्रभावित स्थान, वह इलाका जहाँ घर बह गए थे, और गुलाबगढ़–पद्दार इलाके में भुआट नाला।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), सीआईएसएफ, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), नागरिक प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवकों की संयुक्त टीमें इन जगहों पर बचाव कार्यों में लगी हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिनों में दो शवों की बरामदगी के बाद, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस कर्मियों की एक टीम चिसोटी से गुलाबगढ़ तक पूरे 22 किलोमीटर लंबे नाले में तलाशी अभियान चला रही है। बचाव कार्यों में सहायता के लिए चिसोटी में विशेष भारी ट्रक तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित निकासी सुनिश्चित करने और राहत प्रदान करने के लिए ऐसे वाहनों का उपयोग कर रहे हैं। एनडीआरएफ की 13वीं बटालियन के बचाव दल नदी–नालों के किनारे सक्रिय रूप से तलाशी अभियान चला रहे हैं और लापता लोगों का पता लगाने और उन्हें निक. ालने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

वे पूरी तरह से और सुरक्षित खोज सुनिश्चित करने के लिए बड़े–बड़े पत्थर और मलबा भी हटा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मलबे को छानने के लिए अर्थमूवर और खोजी कुत्तों सहित भारी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों की संख्या 65 है, लापता लोगों के कुछ अंग बरामद किए गए हैं और डीएनए पहचान प्रक्रिया शुरू हो गई है ।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के निर्देश पर तैनात वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारी जमीनी स्तर पर अभियान की निगरानी कर रहे हैं। बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई, एक अस्थायी बाजार और वार्षिक मचैल माता यात्रा के लिए एक लंगर स्थल को तहस–नहस कर दिया सेना के इंजीनियरों ने रविवार को चिसोटी नाले पर एक बेली ब्रिज का निर्माण किया, जिससे गाँव और मचैल माता मंदिर के बीच आवश्यक संपर्क बहाल हो गया।

सेना ने बचाव और राहत अभियान को तेज करने के प्रयासों के तहत कुछ ऑल–टेरेन वाहनों को भी शामिल किया है। बचावकर्मियों ने खोज में बाधा डाल रहे विशाल पत्थरों को उड़ाने के लिए आधा दर्जन से अधिक नियंत्रित विस्फोट भी किए। 25 जुलाई से शुरू होकर 5 सितंबर को समाप्त होने वाली वार्षिक मचैल माता यात्रा बुधवार को लगातार सातवें दिन स्थगित रही। हालांकि, अधिकारी जम्मू से छड़ी लेकर आने वाले श्रद्धालुओं के एक समूह को अनुमति देंगे, जिनके 21 या 22 अगस्त को मंदिर पहुँचने की उम्मीद है। 9,500 फुट ऊँचे मंदिर तक 8.5 किलोमीटर की पैदल यात्रा किश्तवाड़ शहर से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित चिसोटी से शुरू होती है।

लघु उद्योग भारती ने सत शर्मा से की मुलाकात, औद्योगिक पैकेज बढ़ाने को कहा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : लघु उद्योग भारती, जम्मू और कश्मीर के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपने अध्यक्ष परवीन परगाल के नेतृत्व में वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, उपाध्यक्ष अंकित गुप्ता, महासचिव आगम जैन और वित्त सचिव और कोषाध्यक्ष इशांत गुप्ता के साथ आज जम्मू और कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा (सीए) से मुलाकात की और एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर सत शर्मा के साथ जम्मू–कश्मीर भाजपा महासचिव गोपाल महाजन और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नई केंद्रीय क्षेत्र योजना (एनसीएसएस) जम्मू–कश्मीर के निवेश माहौल को बदलने में एक ऐतिहासिक पहल रही है, खासकर अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्त होने के बाद। हालाँकि, इस योजना का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 को समाप्त हो गई है, जिससे सैकड़ों वास्तविक निवेशक और उद्यमी अनिश्चितता में हैं। यदि इस योजना के तहत प्रोत्साहनों को बढ़ाया और सुरक्षित नहीं किया गया, तो इससे केंद्र शासित प्रदेश में औद्योगिक विकास, रोज़गार सृजन और निवेशकों के विश्वास पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ज्ञापन में, लघु उद्योग भारती ने बताया कि यद्यपि केंद्र सरकार ने 2021 से 2037 तक, 16 वर्षों में वितरित किए जाने वाले 28,400 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी निवेश पैकेज की घोषणा की थी, लेकिन क्षेत्र की व्यापक विकासात्मक आवश्यकताओं की तुलना में यह आवंटन और समयावधि अपर्याप्त साबित हुई है। प्रतिनिधिमंडल ने आगे रेखांकित किया कि नीति कार्यान्वयन के तीन वर्षों के बावजूद, भूमि आवंटन में देरी, औद्योगिक सम्पदाओं के अपर्याप्त विकास और प्रोत्साहनों के असमान वितरण के कारण अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं, जहाँ कुछ बड़े उद्योगों को लाभ का एक बड़ा हिस्सा प्राप्त हुआ है जबकि छोटे निवेशक और एमएसएमई पीछे छूट गए हैं।

Helpline

पुलिस स्टेशन

बाग–ए–बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778

सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ

इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन

बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537

दूरसंचार विभाग

डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896

जम्मू नगर पालिका

जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440

डाक सेवाएँ

मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863

अग्निशमन सेवाएँ

नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026

रसोई गैस डीलर

चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455

पावर हाउस

गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813

अस्पताल

जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739

नर्सिंग होम

मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

एमआईईआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने ई-कचरा प्रबंधन एवं निपटान अभियान चलाया

सबका जम्मू कश्मीर

एमआईईआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू की पर्यावरण इकाई ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और संस्थान में उत्पन्न इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सुरक्षित निपटान को सुनिश्चित करने के लिए 21 अगस्त, 2025 को एक महत्वपूर्ण ई–कचरा प्रबंधन एवं निपटान अभियान का आयोजन किया।

इस पहल का उद्देश्य छात्रों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा के लिए ज़िम्मेदार ई–कचरा पुनर्चक्रण प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना था।

डॉ. अदित गुप्ता, प्राचार्य एवं निदेशक, एमआईईआर, श्रीमती रूपा गुप्ता, संयुक्त निदेशक, एमआईईआर, प्रो. निष्ठा राणा, प्रमुख, सामाजिक शिक्षा विभाग, डॉ. मोनिका बजाज, प्रमुख, एसएसएसएसएच, डॉ. भारती टंडन, उप प्रमुख, सामाजिक शिक्षा विभाग, डॉ. मूल राज, सीओई, एमआईईआर कॉलेज और आईक्यूएसी टीम ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अभियान के संसाधन व्यक्ति श्री सूरज कपूर, संस्थापक एवं निदेशक, भूमि सेवियर एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड, जम्मू थे।

अपने संवादात्मक सत्र में, श्री कपूर ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे की बढ़ती वैश्विक चिंता पर प्रकाश डाला और इसे दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला अपशिष्ट प्रवाह बताया। उन्होंने ई–कचरे के प्रकारों, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर इसके प्रतिकूल प्रभावों के बारे में बताया और भारत में अवैध पुनर्चक्रण प्रथाओं की व्यापक समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया।

स्थायी प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने सभी को 4 श्आरश अपनाने के लिए प्रोत्साहित कियारू पुनर्विचार, मरम्मत, पुनरू उपयोग और पुनर्चक्रण। उनके व्यावहारिक व्याख्यान ने प्रतिभागियों को अधिक ज़िम्मेदार और पर्यावरण–अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया।

यह अभियान पर्यावरण इकाई की संयोजक श्रीमती सुमन गुप्ता की देखरेख में श्री संजय चंदेल, सिस्टम मैनेजर, श्रीमती रोहिणी शर्मा, आईसीटी समन्वयक और श्री नरेश खुल्लर, सिस्टम इंजीनियर के सहयोग से चलाया गया, जिनके तकनीकी सहयोग से ई–कचरे का सुचारू संग्रहण और निपटान सुनिश्चित हुआ।

कार्यक्रम का समापन एक सशक्त कार्रवाई आह्वान के साथ हुआकृजिसमें सभी को याद दिलाया गया कि ज़िम्मेदार ई–कचरा प्रबंधन केवल एक संस्थागत ज़िम्मेदारी नहीं है, बल्कि एक स्थायी भविष्य के निर्माण की दिशा में एक सामूहिक कर्तव्य है।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने निवर्तमान सीईओ के लिए औपचारिक विदाई समारोह आयोजित किया

सबका जम्मू कश्मीर

कटरा : श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने अपने निवर्तमान सीईओ श्री अंशुल गर्ग के सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया। श्री अंशुल गर्ग ने कश्मीर के संभागीय आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने से पहले तीन वर्षों से अधिक समय तक बोर्ड में सेवा की। श्री सचिन कुमार वैश्य, जो पूर्व में जम्मू के उपायुक्त थे, एसएमवीडीएसबी के नए सीईओ नियुक्त किए गए हैं।

श्री गर्ग की अनुकरणीय सेवा और संगठन के प्रति अटूट समर्पण के सम्मान में, उन्हें माता की चुनरी और एक स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। अपने विदाई भाषण के दौरान, श्री गर्ग ने अपने कार्यकाल के दौरान श्राइन बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान बोर्ड द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला, जो पूरी हो चुकी हैं, चल रही हैं और आने वाली हैं, और सभी तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं और सेवाओं में सुधार पर केंद्रित हैं।

श्री आलोक कुमार मौर्य, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ने श्री अंशुल गर्ग के नेतृत्व में काम करने के अपने अनुभवों को याद किया और उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण, प्रशासनिक विशेषज्ञता और उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की, जिसने श्राइन बोर्ड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने श्राइन बोर्ड परिवार की ओर से श्री गर्ग को उनकी नई भूमिका में सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और संगठन के साथ उनके निरंतर जुड़ाव की आशा व्यक्त की। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार शर्मा; वित्तीय सलाहकार/मुख्य लेखा अधिकारी महेश शर्मा; उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी पवन कुमार गोस्वामी, विपन भगत, ध्रुव गुप्ता, सहायक मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गोपाल के. शर्मा, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, प्रबंधक, इंजीनियर और श्राइन बोर्ड के कर्मचारी उपस्थित थे।

पवन शर्मा ने जेल में बंद नेताओं को शीर्ष पदों पर आसीन होने से रोकने के नरेंद्र मोदी सरकार के साहसिक कदम का स्वागत किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : अशोक भाजपा राज्य सचिव जम्मू और कश्मीर, पवन शर्मा ने मोदी सरकार के ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय का जोरदार स्वागत किया है, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने संसद में एक संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश किया है, जो जेल में बंद नेताओं को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और राज्य मंत्रियों जैसे शीर्ष पदों पर आसीन होने से रोकने का प्रयास करता है।

पवन शर्मा ने कहा कि यह कदम न केवल समयानुकूल है, बल्कि भारत की राजनीतिक व्यवस्था को भ्रष्ट और अपराधीकृत राजनीति के चंगुल से मुक्त करने के लिए आवश्यक भी है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, जेल की कोठरियों में बैठे लोगों से सरकार चलाने और राष्ट्रहित में फ़ैसले लेने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? यह कदम लोकतंत्र के इस तरह के मज़ाक को ख़त्म करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में, सरकार ने लोकतंत्र में जनता के विश्वास को मज़बूत करने वाले सुधारों के लिए निरंतर कार्य किया है।

शर्मा ने कहा, गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे व्यक्तियों द्वारा संवैधानिक पदों का दुरुपयोग न किए जाने को सुनिश्चित करके, भाजपा सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह स्वच्छ राजनीति और जवाबदेह शासन के पक्ष में है।

राजनीति में पारदर्शिता और ईमानदारी की दिशा में इसे एक बड़ी छलांग बताते हुए, शर्मा ने उन विपक्षी दलों पर भी तीखा प्रहार किया जो दागी नेताओं को बचाते रहते हैं और जेल में बंद होने के बावजूद उन्हें शासन के चेहरे के रूप में पेश करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, श्यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जहाँ मोदी सरकार स्वच्छ राजनीति के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं कुछ दल अभी भी भ्रष्टाचार का बचाव करने और नेताओं को सलाखों के पीछे राजनीतिक आश्रय देने में व्यस्त हैं।

आरएमएमसी 23 अगस्त को निःशुल्क मेगा मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर (आरएमएमसी), रामकृष्ण विहार, उधेवाला, जम्मू द्वारा शनिवार, 23 अगस्त, 2025 को सुबह 9रू00 बजे से दोपहर 2रू00 बजे तक एक निःशुल्क मेगा मल्टी–स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह पहल सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल जम्मू और आयुष विभाग के सहयोग से आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य जनता को समग्र स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है।

इस स्वास्थ्य शिविर का नेतृत्व डॉ. विश्व देव सिंह, एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन), डीएनबी गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं हेपेटोलॉजी, नारायणा अस्पताल, एलोपैथिक और आयुर्वेदिक दोनों क्षेत्रों के डॉक्टरों की एक समर्पित टीम द्वारा किया जाएगा। सामान्य चिकित्सकों, स्त्री रोग विशेषज्ञों, ईएनटी विशेषज्ञों, नेत्र विशेषज्ञों, हड्डी रोग विशेषज्ञों, फिजियोथेरेपिस्ट और आयुर्वेदिक विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श उपलब्ध होगा। विशेषज्ञ परामर्श के अलावा, शिविर में सीबीसी, लिपिड प्रोफाइल, मूत्र विश्लेषण, टीएफटी, एलएफटी, केएफटी और विटामिन डी परीक्षण सहित पूरे शरीर की जाँच के पैकेज भी उपलब्ध होंगे।

यह पैकेज, जिसकी मूल कीमत 2300 रुपये थी, उपस्थित लोगों के लिए 1200 रुपये की रियायती दर पर उपलब्ध होगा।

शिविर का एक विशेष आकर्षण निःशुल्क फाइब्रोस्कैन और निःशुल्क न्यूरोपैथी परीक्षण होंगे, जो यकृत और तंत्रिका संबंधी स्वास्थ्य स्थितियों के लिए उन्नत नैदानिक सेवाएँ सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा, रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक दवाएँ भी वितरित की जाएँगी।

रामकृष्ण मिशन, इस शिविर के माध्यम से, आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञता को पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान के साथ जोड़कर, सभी वर्गों के लोगों तक सुलभ स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने का प्रयास करता है।

प्रमुख ट्रांसपोर्टर भाजपा में शामिल, सत शर्मा ने कहा- पार्टी सभी क्षेत्रों में विश्वास हासिल कर रही है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पचास से अधिक प्रमुख ट्रांसपोर्टर, जिनमें से अधिकतर टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन जम्मू से जुड़े हैं, जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

यह कार्यक्रम जम्मू–कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा की उपस्थिति में हुआ, जिन्होंने पार्टी में नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इसमें शामिल होने में जम्मू–कश्मीर भाजपा के परिवहन प्रकोष्ठ के संयोजक आशुतोष गुप्ता की सहायता ली गई, जबकि कार्यक्रम का आयोजन भाजपा के सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी वेद शर्मा की देखरेख में किया गया।

इस अवसर पर भाजपा उपाध्यक्ष राजीव चरक और रेखा महाजन, महासचिव संजीता डोगरा और गोपाल महाजन, भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष ब्रह्मज्योत और भाजयुमो अध्यक्ष अरुण प्रभात भी बधाई देने के लिए उपस्थित थे।

प्रमुख ट्रांसपोर्टर और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन के सदस्य रवि बारू, नरेंद्र गुप्ता, आशीष बारू, विनोद वर्मा, सूरज शर्मा, संजीव शर्मा, दीपू, लकी, मोहम्मद रफीक, गुलशन और कई अन्य लोग पार्टी की नीतियों और नेतृत्व में पूर्ण विश्वास के साथ पार्टी में शामिल हुए।

नए सदस्यों का स्वागत करते हुए, सत शर्मा ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टरों का भाजपा में शामिल होना, समाज के हर वर्ग के हमारी पार्टी में बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि परिवहन क्षेत्र, खासकर जम्मू–कश्मीर जैसे क्षेत्र में, पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा में शामिल होने का उनका निर्णय उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि केवल भाजपा ही सभी के लिए प्रगतिशील नीतियाँ, विकास और समृद्धि सुनिश्चित कर सकती है। उन्होंने आगे कहा कि हम उनकी चिंताओं को दूर करने और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र को मज़बूत बनाने में उन्हें पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हैं। वेद शर्मा ने कहा कि इस प्रगति से परिवहन संघों के बीच भाजपा की पहुँच और मज़बूत होगी। उन्होंने आशुतोष और संघ के सदस्यों को हाल ही में हुए चुनावों में मिली जीत के लिए बधाई दी और उनसे इस क्षेत्र में पार्टी का आधार बढ़ाने का आग्रह किया।

आशुतोष गुप्ता ने परिवहन समुदाय के अपार समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन ने भाजपा में अनुकरणीय विश्वास दिखाया है। उन्होंने पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने और परिवहन जगत को प्रतिनिधित्व का एहसास दिलाने के लिए प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर, सत शर्मा ने वरिष्ठ नेताओं के साथ आशुतोष गुप्ता और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन के सदस्यों को प्रतिष्ठित एसोसिएशन चुनाव में उनकी जीत के लिए बधाई दी।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू-कश्मीर पर्यटन को नई उड़ान : अध्यक्ष एस. अजीत सिंह की अगुवाई में संयुक्त रणनीति बैठक

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू । जम्मू-कश्मीर ट्रांसपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन (जेकेटीडब्ल्यूए) के अध्यक्ष एस. अजीत सिंह ने आज पर्यटन को मज़बूत करने के उद्देश्य से टूर एंड ट्रैवल ऑपरेटर एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस का नेतृत्व किया।

इस मौके पर अजीत सिंह ने कहा कि परिवहन पर्यटन की रीढ़ है और यदि ट्रांसपोर्टर और ट्रैवल ऑपरेटर मिलकर काम करें तो पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, उनके अनुभव को बेहतर बनाया जा सकेगा और उपराज्यपाल सहित जम्मू-कश्मीर सरकार की विकासपरक दृष्टि को मज़बूती मिलेगी। उन्होंने एसोसिएशन के नए अध्यक्ष आशुतोष गुप्ता को जीत की बधाई देते हुए सहयोगात्मक नेतृत्व पर बल दिया। अजीत सिंह ने बताया कि भविष्य की पहल में एकीकृत पर्यटक गतिशीलता योजनाएँ, नए पर्यटक सर्किट, पर्यटन मेले, फैसिलिटेशन सेंटर और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र शामिल रहेंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में किश्तवाड़ (चसोती) में हाल ही में आई बाढ़ का ज़िक्र करते हुए कहा गया कि उस समय जेकेटीडब्ल्यूए और टूर ऑपरेटरों ने मिलकर परिवहन व रसद सहायता प्रदान की और प्रशासन के साथ तालमेल बनाकर पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित की। गौरतलब है कि पर्यटन और परिवहन क्षेत्र से 4 लाख से अधिक परिवारों का भरण-पोषण होता है और प्रतिदिन हज़ारों पर्यटक टैक्सियों, मिनी बसों, बसों और टूर सेवाओं पर निर्भर रहते हैं। अध्यक्ष एस. अजीत सिंह ने स्पष्ट किया : "जेकेटीडब्ल्यूए हमेशा सरकार के साथ खड़ा रहेगा। सामान्य समय में रणनीति बनाएगा और संकट में निर्णायक कदम उठाएगा। हमारा मिशन हैरू जम्मू-कश्मीर को गतिशील, सुरक्षित और हर चुनौती के लिए तैयार रखना।"

शिमला - यहां मर्मस्पर्शी मौसम सौंदर्य के गीत गाता है

बलविन्दर बालम

चंडीगढ़ से आप को कालका जाना पड़ेगा। कालका से दीर्घ पहाड़ियों का मंगलाचरण होता है। कालका से शिमला जाना पड़ता है। आप टैक्सी बस द्वारा तथा बाई ऐयर वायु भी जा सकते हैं। यहां का एअरपोर्ट जब्बरहाटी है, जो शिमला से लगभग 23 किलोमीटर दूर है। कालका से छोटी ट्रेन भी चलती है, अगर आप बच्चों के साथ हैं तो फिर खूब मज़ा लें द्वाय ट्रेन का। कम चौड़ाई वाली रेलवे लाईन, छोटे-छोटे खिलौनें जैसे रेल के डिब्बे। आहिस्ता-आहिस्त पर्वतों पर वल खाती चढ़ती जाती यह ट्रेन, एक सरकम के खेल जैसी लगती है। ट्रेन से भव्य दृश्य देखने का मज़ा आ जाता है। यह छोटी ट्रेन कालका से चलती है। दिन में दो तीन ट्रेन चलती है। हिचकोरे खाती टेनकृजब घुमावदार रास्तों से हो कर गुजरती है तो आनंद सा आने लगता है। एक तरफ ऊंचे पर्वत और दूसरी तरफ गहरी खड्डें देख कर मन प्रसन्न हो जाता है। खड्डें इतनी गहरीं कि ट्रेन पर शिमला जाने में, समय कुछ ज़ुयादा लगता है जब कि बस तथा टैक्सी या अपनी गाड़ी पर कम समय लगता है, कालका से लगभग तीन घण्टे लग ही जाते हैं।

कालका-शिमला रेलवे लाईन ट्रेन का इतिहास यह है कि कालका शिमला रेलवे 1903 में भारतीय मांऊटेन रेलवे में जुलाई 10, 2008 को शमिल की गई। जो कि यूनेस्को द्वारा जारी विश्व घरोहर सूची पर आधरित है। इस सुची में शमिल होने पर कालका-शिमला रेलवे के वैश्विक मूल्यों की पुष्टि होती है जो कि सुपूण मानवता से सम्मान तथा संरक्षण के पात्र होते हैं। कालका-शिमला रेलवे हिमालयन मांऊटेन के विकास में विशिष्ट तकनीकी उपलब्धियों को प्रस्तुत करती है जो कि इस की लम्बाइ, ऊँचाई तथा दुर्गम क्षेत्रों के कारण है, हालाकि यह अत्यंत विषम मुशिकल जलवयु, परिस्थितियों में चलती है। कालका से शिमला कत 96 कि.मी. लम्बी लाईन, 102 सुरंगों, 988 पुलों एवं 97 घुमाओं घुमाओ जिन में कई 46 डिग्री के नीव्र घुमाव हैं, से हो कर गुजरती है। शहर बडोग के निकट 1143 मीटर सब से लम्बी सुरंग है। कनोह के निकट 4 मंज़िला स्टोन आर्च गैलरी ब्रिज न.541 है जो कि इंजीनियरिंग का अद्भुत मूलभूत ढांचे का रख रखाव बहुत ही अच्छी दशा में किया गया है जो कि उदाहरणीय तथा रेलवे की विश्वसनीयता के अनुरूप् है। अच्छी दशा में किया गया है जो कि उदाहरणीय तथा रेलवे की विश्वसनीयता क अरूप है। के.एस.आर. के स्टेशन लम्बी सुरंगे, बहुमंजिले पुल, उत्कृष्ट तथा सर्वभौमिक है और इन पर हो कर छोटी गाड़ी में यात्रा करना सुखद तथा आंनददायक होने के साथ-साथ रोमांचक, मनोहारी तथा बीते युग की यादों को ताज़ा करने वाला है। विश्व घरोहर में इस लाईन के शामिल करने से सतन संभव विकास, समाज, पर्यावरण, पर्यटन और मूलभूत सस्थागत ढांचे को बनाए रखने के लिए उत्साहित करता है। माल रोड पर ही ब्रिटिश काल की अनेकानेक सुन्दर इमारतें है। यहो पर पोस्ट आफिस, मौक लाइब्रेरी, क्राइस्ट चर्च, टाऊन हाल, गेयटी थिएटर, सुविधा उपलब्ध बाज़ार, प्राचीन होटल, दुकानें तथा आधुनिक होटलों की भरमार है। देश-विदेश के पर्यटक आनंद लेते है।

नीचे से ऊपर आने के लिए इलैक्ट्रानिक लिफट का प्रबंध है। जो लोग ज्यादा नहीं चल सकते उन के लिए लिफट अत्यंत सुविधजनक है। यहां पर महात्मा गांधी जी भव्य प्रतिमा के ऊपर लगी बड़ी छतरी भी लोगों को जंचती है। माल रोड पर जब अधिक बर्फ पड़ती है तो ऐसे में पर्यटकों की सुविधा के लिए शैड बने है जिन में लम्बे बैंच रखे हुए है। पर्यटक यहां बैठ कर मौसम और जन्नत का आनंद उठाते है।

शिमला में कई बाज़ार है। यहां से हिमाचल प्रदेश के कई प्रसिद्ध मैगज़ीन हिन्दी, अंग्रेजी एवं उर्दू मे निकलते है। स्वास करके बिपाशा मैगज़ीन बहुत मशहुर है। यहां कलाकार, लेखक तथा फोटोग्राफर भी खयाति प्राप्त है।

शिमला का सबसे ऊचा स्थान है जाखु हिल्स। यहां पहाड के शिखर पर प्रसिद्ध जाखु पन्दिर शोभनीय है। यहा मन्दिर शहर से लगभग दो किलोमीटर ऊपर है। यहां बंदरों की राजधानी है। बंदर बहुत समझदार और नेताओं की लरह चुस्त फुर्त हैं। मौका देखते ही खाने पीने की वस्तु छीन कर छु मंत्र हो जाने है।

यहां पर है भव्य हिमाचल स्टेट म्यूज़ियम, यहां हिमाचल सास्कृति की अनेक कलाकृतियां हैं। यहां ब्रिटिश काल क इमारतों में कई संग्रहलय हैं। कढ़ाई-कपड़े, पत्थर की सुन्दर मूर्तियां, पहाड़ी पेंटिंगस, हिमाचल हस्त शिलप, हिमाचल वस्त्र आदि कलाकृकियां मौजूद हैं। साथ ही इंडियन इंस्टट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज और वाईसरीगल लौज, हिमाचल टूकिज़म आदि मौजूद हैं। किसी न किसी फिल्म की शूटिंग होती रहती है।

शिमले के समीप कई स्थान देखने योग हैं। हिमाचल टूरिज़्म विभाग से आस पास की जानकारी लोकर ही जाएं। मौसम के अनुसार छतरी, बैटरी, जूते, गर्म वस्त्र, पानी की बोतल, दवाएं रखें तथा कम खाएं।

शिमला एक छाटे से गांव शीमला से प्रचलित हुआ। ब्रीटिशं आफ़िसर ने इस स्थान का आवीषकार किया। अंग्रेज़ों ने इसे अपनी ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया हुआ था। शिमला एक प्राकृतिक शक्ति का नाम है। यहां जयंती शक्ति की कृपा है। सुन्दर दृश्य, मनमोहने पर्वत, हृदय स्पर्शी मौसम, बादलों की कृपा, बर्फ के दृश्य, ऊँचे वृक्ष, हरिआली, खिलते, खिलते सूनम आदि देव लोक हैं शिमला में।

बलविन्दर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर, गुरदासपुर (पंजाब)
मो. 9815625409

गज़ल

अगर आंसूयों में रवानी ना होती।
मेरी जिंदगी जिंदगानी ना होती।
ना करता कभी मैं तेरे दर पे सजदा।
अगर वाकफियत पुरानी ना होती
अगर दोस्ती में ना आंसू बरसते,
कभी दुश्मनी पानी पानी ना होती।
ना मिलती मुझे इन फकीरों की संगत,
गुरू की अगर मेहर बानी ना होती।
किसी से मुहोब्बत ना होती किसी से,
अगर ज़िंदगी आनी जानी ना होती।
अगर ना मुहोब्बत के शोले बरसते,
किसी दिल जले पर जवानी ना होती।
अगर मौत आई ना मुझको ऐ बालम
मेरी ज़िंदगी इक कहानी ना होती।

बलविन्दर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर गुरदासपुर (पंजाब)
मो. 9815625409

पूरव सूरी को 'आईबीआर अचीवर' का खिताब

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ/जम्मू। गांधी नगर, जम्मू-कश्मीर के नन्हें प्रतिभावान पूरव सूरी ने कम उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने पूरव सूरी (जन्म 11 जनवरी 2020) को 'आईबीआर अचीवर' के खिताब से सम्मानित किया है। यह उपलब्धि उन्होंने महज़ 5 साल 7 महीने की आयु में हासिल की।

पूरव ने इस उम्र में 28 भारतीय राज्यों के नाम उनकी राजधानियों सहित, 7 महाद्वीप, 4 ज़ोन, 8 ग्रह और 5 महासागरों के नाम सटीक याद कर दिखाए।

उनकी इस अद्भुत स्मरण शक्ति और प्रतिभा की पुष्टि 25 अगस्त 2025 को आधिकारिक रूप से की गई।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की संपादकीय टीम द्वारा गहन जांच और सत्यापन प्रक्रिया के बाद पूरव को यह सम्मान प्रदान किया गया। संस्था ने पूरव की मेहनत और धैर्य की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

कटरा में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन : युवाओं ने माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा में वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने की मांग की

रोहित शर्मा

कटरा : कटरा में स्थानीय युवाओं ने सोहन चंद के नेतृत्व में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। सड़क किनारे लगभग तीन घंटे तक चले इस प्रदर्शन में प्रतिभागियों ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए बैनर और तख्तियाँ पकड़ी हुई थीं।

प्रदर्शनकारियों ने त्रिकुटा पहाड़ियों और आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों में हाल ही में हुई बादल फटने की घटनाओं पर प्रकाश डाला, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहाड़ियों पर चल रही छेड़छाड़ और निर्माण गतिविधियाँ प्राकृतिक आपदाओं को बढ़ा रही हैं और आगे की आपदाओं को रोकने के लिए पवित्र त्रिकुटा पहाड़ियों के प्राकृतिक पर्यावरण को प्रभावित करने वाली सभी गतिविधियों को तत्काल रोकने की मांग की। युवाओं द्वारा उठाया गया एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा में वीआईपी संस्कृति का प्रचलन था। उन्होंने तर्क दिया कि इस तरह की प्रथाएँ नियमित भक्तों के लिए अनावश्यक कठिनाइयाँ पैदा करती हैं। उन्होंने कहा, ष्पवित्र तीर्थस्थल पर हर श्रद्धालु को समान अधिकार मिलने चाहिए। कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। हज़ारों तीर्थयात्री तीर्थस्थल तक पहुँचने के लिए लंबी और कठिन यात्रा करते हैं, वहीं कुछ लोग वीआईपी सुविधाओं का लाभ उठाकर कतारों को दरकिनार कर देते हैं। यह अनुचित है और इसे रोका जाना चाहिए।ष्

युवाओं ने प्रशासन से उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि अगर उनकी माँगों को नज़रअंदाज़ किया गया, तो वे सभी तीर्थयात्रियों के लिए समानता सुनिश्चित करने और तीर्थस्थल की प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अपना आंदोलन तेज़ करेंगे।

हिरानगर में भारी वर्षा से प्रभावित गांवों का दौरा करने पहुंचे वरिष्ठ नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता धरम पाल कुंडल

रोहित शर्मा

हीरानगर। मंगलवार को वरिष्ठ नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता एवं ज़ोनल सचिव जम्मू ज़ोन इंचार्ज हिरानगर, धरम पाल कुंडल ने भारी वर्षा से प्रभावित अलग–अलग गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और हालात का जायजा लिया।

कुंडल ने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों की मदद और राहत कार्यों को लेकर पार्टी व प्रशासन से हर संभव सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर उप स्वास्थ्य केंद्र टेमर में नहीं हुआ ध्वजारोहण, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

कलेक्टर से शिकायत कार्यवाही की मांग

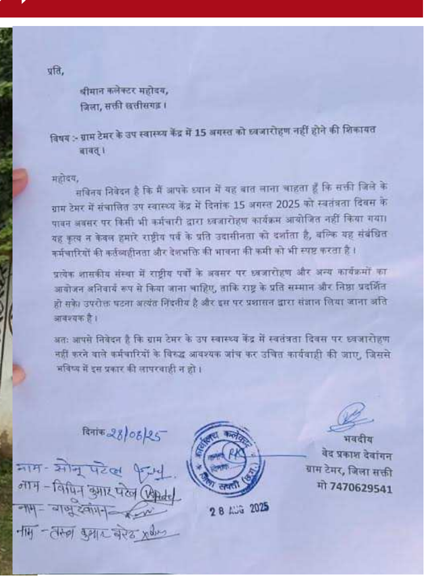
प्रति,

श्रीमान कलेक्टर महोदय,
जिला, सक्ती छत्तीसगढ़।

विषय :- ग्राम टेमर के उप स्वास्थ्य केंद्र में 15 अगस्त को ध्वजारोहण नहीं होने की शिकायत बावत्।

महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके ध्यान में यह बात लाना चाहता हूँ कि सक्ती जिले के ग्राम टेमर में संचालित उप स्वास्थ्य केंद्र में दिनांक 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर किसी भी कर्मचारी द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। यह कृत्य न केवल हमारे राष्ट्रीय पर्व के प्रति उदासीनता को दर्शाता है, बल्कि यह संबंधित कर्मचारियों की कर्तव्यहीनता और देशभक्ति की भावना की कमी को भी स्पष्ट करता है।

प्रत्येक शासकीय संस्था में राष्ट्रीय पर्वों के अवसर पर ध्वजारोहण और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए, ताकि राष्ट्र के प्रति सम्मान और निष्ठा प्रदर्शित हो सके। उपरोक्त घटना अत्यंत निंदनीय है और इस पर प्रशासन द्वारा संज्ञान लिया जाना अति आवश्यक है।

अतः आपसे निवेदन है कि ग्राम टेमर के उप स्वास्थ्य केंद्र में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण नहीं करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक जांच कर उचित कार्यवाही की जाए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही न हो।

दिनांक 28/08/25

नाम - सोनू पटेल
नाम - विपिन कुमार पटेल

28 AUG 2025

भवदीय
वेद प्रकाश देवांगन
ग्राम टेमर, जिला सक्ती
मो 7470629541

रोहित शर्मा

सक्ती/छत्तीसगढ़। स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर ग्राम टेमर स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में ध्वजारोहण नहीं किए जाने से ग्रामीणों में गहरी नाराजगी देखी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह राष्ट्र के गौरव और मर्यादा का अपमान है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों ने बताया कि जब वे 15 अगस्त की सुबह उप स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे तो वहां ध्वजारोहण की कोई तैयारी नहीं थी। न तो केंद्र में कोई कर्मचारी उपस्थित था और न ही कोई झंडा फहराया गया। इस लापरवाही से ग्रामीणों की भावनाएं आहत हुई हैं।

ग्रामवासियों ने इस पूरे मामले की शिकायत जिला कलेक्टर से करते हुए मांग की है कि जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसके लिए प्रशासन सख्त दिशा–निर्देश जारी करे। ग्रामीण ने कहा, ष्सरकारी संस्थानों से हम उम्मीद करते हैं कि वे राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का उदाहरण पेश करें, लेकिन यहां तो खुद लापरवाही दिखाई गई।

इस घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाओं का दौर जारी है और ग्रामीणों को अब जिला प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार है।

ग़ज़ल

यह जिस्म कभी बूढ़ा ना होता।
तेरा प्यार अधूरा ना होता।
सूरज चांद सितारे ना होते,
गगन कभी भी पूरा ना होता।
कौन सुहागन के अर्थ बताता,
कंगन, चूड़ी, चूड़ा ना होता।
चुम्मन की फिर पहचान ना होती,
शक्कर, मिशरी, कूजा ना होता।
बालम मंज़िल मुशकल ही मिलती,
रस्ता कोई दूजा ना होता।

बलविन्दर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर गुरदासपुर (पंजाब)
मो. 9815625409

हीरानगर विधायक विजय शर्मा ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा, समस्याओं के समाधान का दिलाया भरोसा

स्थानीय लोगों की समस्या सुनते हीरानगर विधायक एडवोकेट विजय शर्मा

सनी शर्मा

हीरानगर। हीरानगर के विधायक विजय शर्मा ने गुरुवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ हीरानगर के एसडीएम, विद्युत विभाग के अधिकारी, मढीन मंडल के प्रधान प्रदीप सिंह और भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

विधायक ने मकनदपुर चौधरीया, सोतरा, चक मादा सहित कई गांवों का दौरा कर प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन व संबंधित विभागों की मदद से जल्द ही प्रभावित परिवारों की परेशानियों का समाधान किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने विधायक और प्रशासनिक टीम के मौके पर पहुंचने की सराहना की और राहत कार्यों को तेज करने की मांग की।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर
"पत्रकारों की आवश्यकता"
'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र
के लिए जम्मू कश्मीर के सभी जिला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें
योग्यता:
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया घराने में काम करने का अनुभव
अपना बायोडाटा ई.मेल करें
sabkajammukashmir@gmail.com
संपर्क नंबर :
6005134383

नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस, शोक संदेश, गुमशुदा सूचना, बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक, सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन
MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

केशव चोपड़ा ने डुग्गर दे रतन पुरस्कार 2025 में उत्कृष्ट व्यक्तियों को किया सम्मानित

रोहित शर्मा

जम्मू : संवेदना सोसाइटी के अध्यक्ष केशव चोपड़ा की अगुवाई में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान में भव्य समारोह का आयोजन कर ष्डुग्गर दे रतनष पुरस्कार 2025 प्रदान किए गए। इस अवसर पर डोगरी कलाकारों, गायकों, कोरियोग्राफरों, नर्तकियों, खिलाड़ियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जागरण समितियों के सदस्यों, प्रभावकों, ब्लॉगर्स और सत्संग मंडली के सदस्यों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

पुरस्कार वितरण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक पुलिस जम्मू फारूक कैसर (जेकेपीएस) और संयुक्त निदेशक सूचना दीपक दुबे (जेकेएएस) ने किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभाशाली व्यक्तियों के मनोबल को बढ़ाना, उन्हें निरंतर मेहनत के लिए प्रेरित करना और अगली पीढ़ी को जम्मू–कश्मीर की समृद्ध संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर एसएसपी ट्रैफिक फारूक कैसर ने संवेदना सोसाइटी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और एक मजबूत समुदाय के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, ष्प्रतिभा और समर्पण के इस तरह के जीवंत उत्सव को देखना खुशी की बात है।

इन व्यक्तियों के प्रयासों को पहचानना न केवल उन्हें प्रेरित करता है, बल्कि पूरे समाज को सांस्कृतिक गौरव और कड़ी मेहनत के महत्व का संदेश भी देता है।

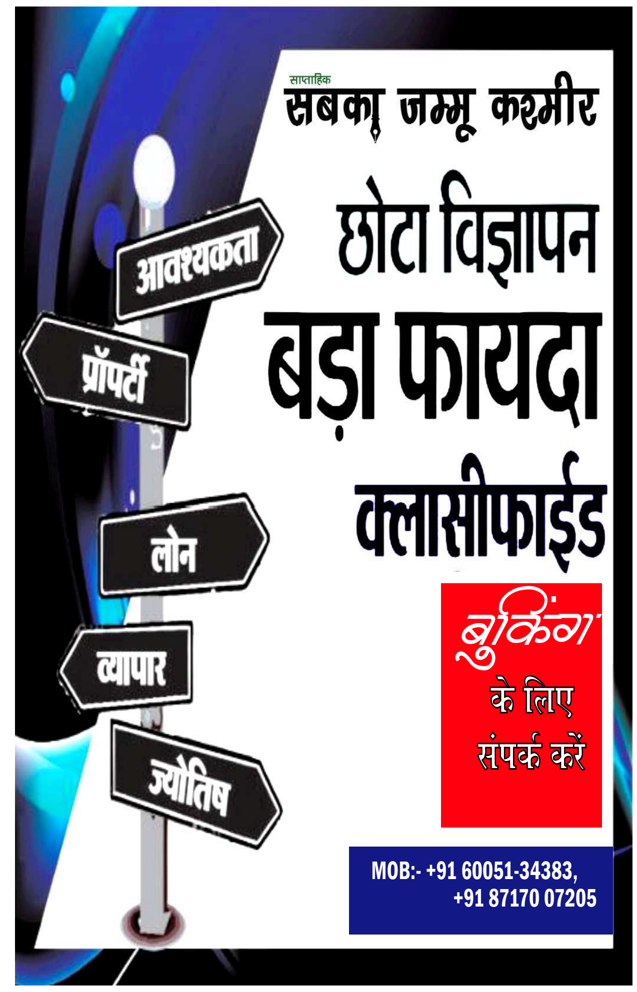

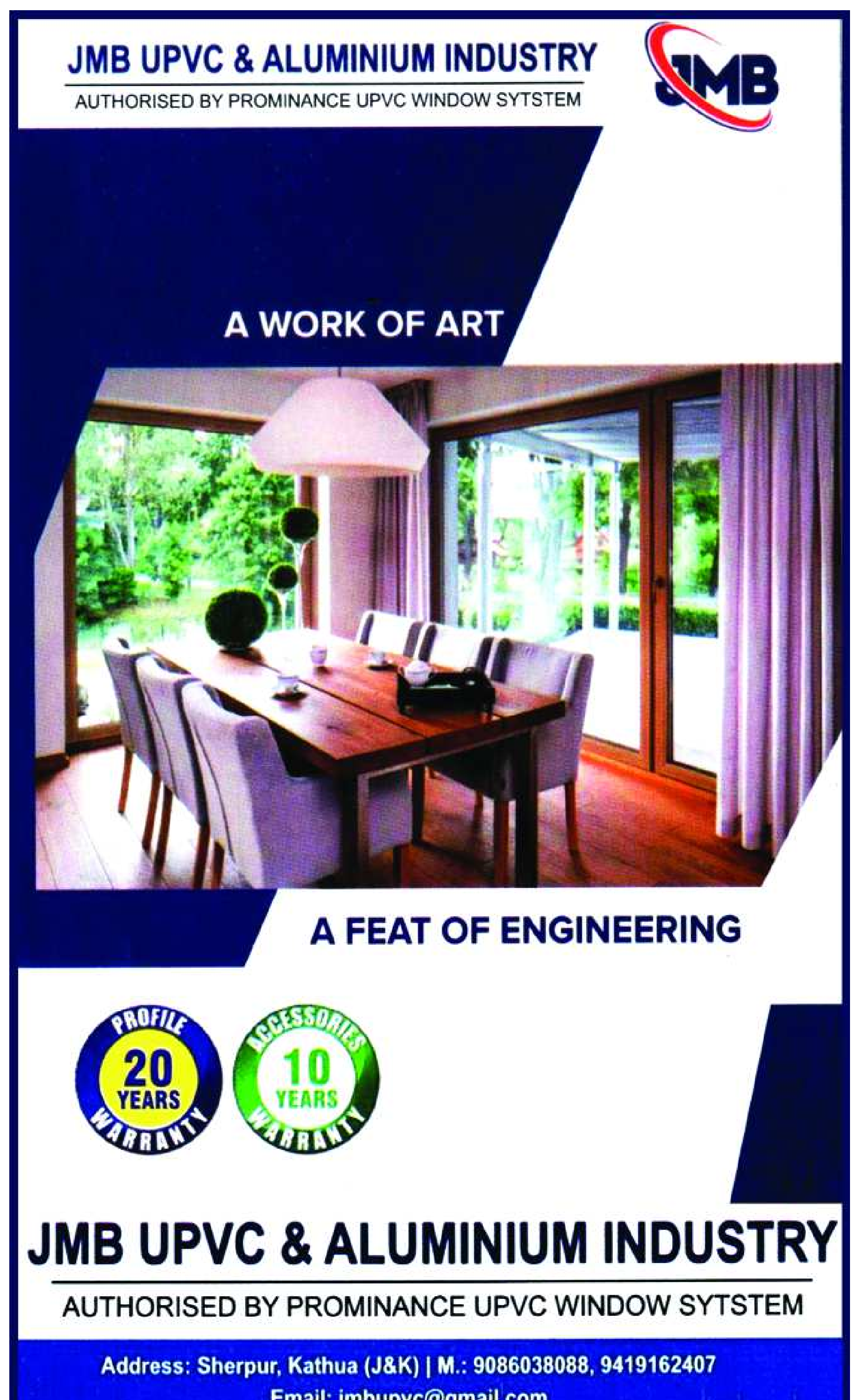

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 । संपादकः राज कुमार